बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद में मात्र रू0 6.5 लाख (छैः लाख पचास हजार) में मकान खरीदने हेतु सम्पर्क करें मो0 9868944025 लोन सुविधा उपलब्ध है

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 149 | सोमवार 18 सितम्बर 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

राहुल गांधी पर टिप्पणी करने पर असम सीएम हिमंत बिस्व सरमा को कोर्ट नोटिस, यह बोले थे बिगड़े बोल

रुद्रपुर। जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रेम सिंह खिमाल की अदालत ने वर्ष 2022 में एक चुनावी सभा में प्रचार के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी किया है। अदालत ने समन जारी करते हुए विपक्षियों को 21 सितंबर को खुद या अधिवक्ता के जरिए अदालत में पेश होने को कहा है। इस मामले में कांग्रेस नेता एवं पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय ने परिवाद दायर किया था। कांग्रेसी नेता की ओर से इस वाद में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष आरपी सिंह ने बताया कि डॉ. उपाध्याय ने एसीजेएम द्वितीय की अदालत में परिवाद दायर कर बताया था कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने किच्छा में स्थित तहसील कार्यालय के सामने इंदिरा गांधी मैदान में 11 फरवरी 2022 को एक राजनीतिक दल के उम्मीदवार का प्रचार करते हुए सभा को सम्बोधित किया था। आरोप था कि इसमें उन्होंने कांग्रेसी नेता एवं तत्कालीन सांसद राहुल गांधी का नाम लेकर पूर्ण विद्वेष भावना से ग्रसित होकर आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया था। इस मामले में सुनवाई करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रेम सिंह खिमाल ने 21 अगस्त को असम के मुख्यमंत्री और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर 21 सितंबर को अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं। उन्होंने यह निगरानी विधि के अनुसार निस्तारण के लिए तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश रुद्रपुर ऊधमसिंह नगर मीना देउपा को स्थानांतरित की है।

73 साल के हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बधाईयों का लगा तांता; अरविंद केजरीवाल ने यूं किया विश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज 73वां जन्मदिन है। इस मौके को खास बनाने के लिए आज कई योजनाओं को शुरू किया जा रहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी आज दिल्ली के द्वारका में नए कन्वेंशन सेंटर योशोभूमि का भी उद्घाटन करने वाले हैं। जन्मदिन के मौके पर प्रधानमंत्री को बधाई देने वालों का तांता लगा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम मोदी को बधाईदेते हुए एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। मेरी शुभेच्छा है कि अपनी दूरगामी दृष्टि तथा सुदृढ़ नेतृत्व से आप 'अमृत काल' में भारत के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करें। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि आप सदा स्वस्थ और सानंद रहें तथा देशवासियों को अपने अप्रतिम नेतृत्व से लाभान्वित करते रहें।

गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई दी। शाह ने लगातार कई पोस्ट किए। उन्होंने कहा, अपनी दूरदर्शिता, अथक परिश्रम और निस्वार्थ सेवाभाव से करोड़ों लोगों के जीवन में समृद्धि और विश्वास लाने वाले देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही ईश्वर से आपकी दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूँ। मोदी जी में नेतृत्व, संवेदनशीलता और परिश्रम का दुर्लभ संयोजन देखने

को मिलता है। नरेंद्र मोदी जी ने देश के सोचने के स्केल और साइज को बदला है, जिससे चाहे कोरोना की वैक्सीन बनाना हो या चंद्रयान-3 की सफलता, आज हमारा तिरंगा पूरे विश्व में शान से लहरा रहा है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश में अमूलचूक परिवर्तन हुए हैं और वैश्विक स्तर पर देश ऊंचाई पर खड़ा है। उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना है जिससे वह आगे भी देश की सेवा करते रहें। वहीं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय जननेता आदरणीय मोदी जी को जन्मदिन की बधाई। भारतीय संस्कृति और प्रतिष्ठा, बहुआयामी विकास और सार्वभौमिक उत्कर्ष को आपने साकार किया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, आदरणीय प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आप स्वस्थ और दीर्घायु रहें। अपके

> **जन्मदिन के मौके पर प्रधानमंत्री को बधाई देने वालों का तांता लगा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम मोदी को बधाईदेते हुए एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। मेरी शुभेच्छा है कि अपनी दूरगामी दृष्टि तथा सुदृढ़ नेतृत्व से आप 'अमृत काल' में भारत के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करें। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि आप सदा स्वस्थ और सानंद रहें तथा देशवासियों को अपने अप्रतिम नेतृत्व से लाभान्वित करते रहें।**

नेतृत्व में भय भूख और भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म हो और फिर से हम विश्वगुरु बनें। यही शुभकामनाएं हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की बधाई। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि आप स्वस्थ रहें और दीर्घायु हों।

योगी आदित्यनाथ ने दी बधाई

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मां भारती के परम उपासक, %नए भारत के शिल्पकार, विकसित भारत के स्वप्नद्रष्टा, एक भारत-श्रेष्ठ भारत के प्रति संकल्पित, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री

मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! विकसित भारत के निर्माण के लिए आपका समर्पण और विजन अतुलनीय है। प्रभु श्री राम की कृपा से आपको दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति हो, आपका यशस्वी नेतृत्व हम सभी को प्राप्त होता रहे, यही प्रार्थना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत के यशस्वी एवं कर्मयोगी प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएँ। उन्होंने भारत को न केवल नई पहचान दी है बल्कि संपूर्ण विश्व में उसका मान भी बढ़ाया है। लोक कल्याण और गरीब कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध मोदीजी ने भारत को विकास की नई बुलंदियों तक पहुँचाया है। उनके नेतृत्व में भारत उत्तरोत्तर प्रगति करता रहे और वे ऐसे ही माँ भारती की सेवा करते रहें। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की और दीर्घायु होने की ईश्वर से कामना करता हूँ।

नए संसद भवन के 'गज द्वार' पर उपराष्ट्रपति ने फहराया तिरंगा

खड़गे नहीं पहुंचे; विपक्ष के कई नेता मौजूद

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र की शुरुआत से ठीक एक दिन पहले संसद के नए भवन पर आज राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को स्थापित कर दिया गया। राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति जगजीप धनखड़ ने झंडारोहण किया। इस मौके पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के अलावा लोकसभा में ही कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई सांसद और मंत्री मौजूद रहे। हालांकि, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे नहीं शामिल हुए। उन्होंने पहले से तय कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में व्यस्त रहने का हवाला दिया। साथ ही उन्होंने सरकार पर देरी से आमंत्रण भेजने का भी आरोप लगाया।

आज से शुरू हो रहा है संसद का विशेष सत्र

आपको बता दें कि 18 सितंबर से संसद के विशेष सत्र की शुरुआत हो रही है। पांच दिनों तक चलने वाले इस सत्र की शुरुआत पुराने भवन से होगी। वहीं, इसके अगले दिन यानी कि गणेश चतुर्थी के मौके पर नए भवन में कामकाज प्रारंभ होगा। इससे पहले आज तिरंगे को नए भवन पर स्थापित कर दिया गया।

नए संसद भवन पर ध्वजारोहण के मौके पर

संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी, केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन, पीयूष गोयल, अर्जुन राम मेघवाल, कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी और प्रमोद तिवारी सहित कई नेता मौजूद रहे।

मॉनसून फिर से हुआ मेहरबान, यूपी से राजस्थान तक बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तर भारत में उमसभरी गरमी के बाद मॉनसून एक बार फिर मेहरबान हो गया है। मौसम विभाग ने उत्तर भारत के कई राज्यों में भारी से भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश के बड़े हिस्से में मूसलाधार बारिश हो रही है। वहीं उत्तर प्रदेश और राजधानी दिल्ली में भी झमाझम बारिश से लोगों को उमस से राहत मिली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक देश के बड़े हिस्से में बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी। इस समय दक्षिणी मध्यप्रदेश में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। मॉनसून ट्रफ रेखा जैसलमेर, कोटा तक फैली है। यह महाराष्ट्र के दक्षिण कोंकण तक पैली है। वहीं हरियाणा में भी चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। इस

वजह से हरियाणा और दिल्ली एनसीआर के इलाके में भी बारिश हो रही है। बीते 24 घंटे में मध्य प्रदेश में मूसलाधार वर्षा हुई। वहीं उत्तर प्रदेशष दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब, तेलंगाना, कर्नाटक, सिक्किम में हल्की से मध्यम वर्षा हुई।

यहां होगी मूसलाधार वर्षा

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में पूर्वी राजस्थान की कुछ जगहें, पश्चिम मध्य प्रदेश और गुजरात में भारी से भारी वर्षा हो सकती है। इसके अलावा पश्चिमी राजस्थान, कोंकण और गोवा में भी मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं उत्तराखंड, अंडमान निकोबार, मणिपुर, मिजोरम, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान है। उत्तराखंड और हिमाचल में भारी बारिश की वजह से एक बार फिर तबाही देखी जा सकती है।

कैसा रहेगा दिल्ली का मौसम

मौसम विभाग का कहना है कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज्फ्फराबाद में भी गरज चमक के साथ बारिश होगी। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, राजधानी दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मेघालय, सौराष्ट्र कच्छ में भी हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। तटीय कर्नाटक, केल और तमिलनाडु में एक या दो जगहों पर हल्की से मध्यम और कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है।

भावी पीढ़ी का मार्गदर्शन करता है प्रधानमंत्री मोदी का दृढ़ संकल्पः गिरिराज सिंह

बेगूसराय। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 73वें जन्मदिन पर हर ओर बधाइयों का तांता लगा हुआ है। इस मौके पर केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा है कि भारत के उत्थान के लिए उनका समर्पण और अथक प्रयास वास्तव में सराहनीय है। उनके नेतृत्व में भारत ने आर्थिक सुधारों से लेकर बुनियादी ढांचे के विकास तक विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति देखी है। मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी उनकी दूरदर्शी पहल ने ना केवल देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ावा दिया है। बल्कि लाखों लोगों के लिए अवसर भी पैदा किए हैं। स्वच्छ भारत एवं प्रधानमंत्री जन-धन योजना जैसी सामाजिक

इस मौके पर केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा है कि भारत के उत्थान के लिए उनका समर्पण और अथक प्रयास वास्तव में सराहनीय है।

कल्याण योजनाओं के प्रति प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता ने लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व आशा जगाता है। उनका दृढ़ संकल्प भारत की भावी पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक का काम करता है। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के निरंतर विकास और प्रगति की आशा करते हैं।

सफदरजंग अस्पताल में इलाज को आने वाले मरीजों के लिए गुड न्यूज, 25 सितंबर से शुरू होगी शाम की ओपीडी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। अस्पताल प्रशासन मरीजों के लिए जल्द ही शाम की ओपीडी यानि स्क्रीनिंग ओपीडी शुरू करने जा रहा है। नियमित ओपीडी और इमरजेंसी में मरीजों के बढ़ते बोझ के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा भविष्य में अस्पताल में डॉग बाइट क्लीनिक का भी विस्तार किया जाएगा। साथ ही मरीजों के लिए ब्लड जांच कराने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की योजना है। अस्पताल की भविष्य की कार्ययोजना को लेकर शनिवार को चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार ने मीडिया को जानकारी दी। डॉ. वंदना तलवार ने बताया कि 25 सितंबर को स्क्रीनिंग ओपीडी का उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद 1 अक्टूबर से मरीज शाम को भी ओपीडी में

अपना चेकअप करा सकेंगे। परिसर में स्थित मेक शिफ्ट अस्पताल में इस ओपीडी को तैयार किया जा रहा है, जिसके लिए मरीज सुबह साढ़े 11 बजे से लेकर शाम साढ़े 5 बजे तक रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। मरीजों को डॉक्टर दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक देखेंगे।

फिलहाल तीन विभाग- अभी फिलहाल शाम के समय तीन विभागों की ओपीडी लगेगी, जिसमें मेडिसिन, बाल रोग विभाग और सर्जरी विभाग शामिल हैं। नियमित ओपीडी के बोझ को कम करने के लिए यह कदम उठाया है। शाम की ओपीडी का यह पहला चरण होगा।

ब्लड जांच के लिए भटकना नहीं पड़ेग- डॉ. वंदना तलवार ने बताया कि अभी मरीजों को ब्लड जांच कराने के लिए कई विभागों में जाना पड़ता है। इस परेशानी को भी खत्म किया जाएगा। इसके लिए एक ही इमारत में सभी विभागों की रक्त जांच की व्यवस्था की जाएगी।

अतिक्रमण से अस्पताल प्रशासन परेशान- डॉ. वंदना तलवार ने कहा कि जी-20 समिट के समय अस्पताल के बाहर से अतिक्रमण हट गया था, लेकिन अब दोबारा से पहले जैसी स्थिति हो गई है। नगर निगम से अतिक्रमण हटाने की मांग की जाएगी।

मशीन के लिए बंकर बनाया जाएगा

कैंसर मरीजों को रेडियोथैरेपी देने के लिए अस्पताल द्वारा लीनियर एस्केलेटर मशीन की खरीद को लेकर आदेश जारी कर दिए गए हैं। मशीन के लिए एक बंकर तैयार किया जाएगा, ताकि रेडिएशन फैले ना। इसके अलावा सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में प्राइवेट ओपीडी को भी सुविधाजनक बनाया जाएगा।

डॉग बाइट क्लीनिक का विस्तार

भविष्य में अस्पताल के डॉग बाइट क्लीनिक का भी विस्तार किया जाएगा। अभी इमरजेंसी में ही मरीजों को एंटी रैबीज का पहला टीका लगता है। बाकी के टीके लगवाने के लिए भूतल पर स्थित ओपीडी में काफी भीड़ रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए नई इमारत में डॉग बाइट क्लीनिक बनाया जाएगा। अभी अस्पताल में रोजाना कुत्ते से काटने के मामलों में टीकाकरण के लिए 250-300 मरीज पहुंचते हैं।

यूक्रेन युद्ध से बड़ी सीख, लंबी दूरी के घातक हथियार जमा करेगा भारत; गड़बड़ की तो अंदर तक होगा प्रहार

नई दिल्ली। रूस से युद्ध के दौरान यूक्रेन के पास हथियारों की कमी पड़ गई। वह लंबी दूरी के घातक हथियारों की कमी से जूझ रहा था। काफी मिन्नतों के बाद अमेरिका ने उसे हथियार उपलब्ध करवाए हैं। हालांकि इस युद्ध से भारत ने बड़ा सबक लिया है। पड़ोसी देशों से चुनौती को देखते हुए भारतीय सेना ने घातक और लंबी दूरी के हथियारों को जमा करने का फैसला किया है। सेना अब आधुनिक गन्स, रॉकेट सिस्टम और मिसाइलों की खरीद को बढ़ाने जा रही है। युद्ध के दौरान दुश्मनों के छक्के छुड़ाने के लिए जिन हथियारों की जरूरत है वे सब कुछ ही समय में भारतीय सेना के पास होंगे।

कौन से घातक हथियार लेगी सेना

जानकारी के मुताबिक 155 एमएम आर्टिलरी गन सिस्टम, लंबी दूरी तक वार करने वाली मिसाइल और रॉकेट सिस्टम, सर्विलांस और टारगेट एक्विजिशन यूनिट, स्वार्म ड्रोन आर आईएसआर, लाइटर मूनिशंस को शामिल करने का प्लान है। सेना का दो बातों पर विशेष जोर है। एक दो ऐसा हथियार हों जिन्हें आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सके। दूसरा लंबी दूरी तक वार करने वाले हथियार हों जो कि जरूरत पड़ने पर सीमा में घुसकर वार करने में भी सक्षम हों। एक अधिकारी ने बताया, इस समय दुनियाभर के देश लंबी दूरी के हथियारों पर ध्यान दे रहे हैं। इसके

अलावा ज्यादा फायर और ज्यादा नुकसान वाले घातक हथियार भी तेजी से सेनाओं में शामिल हो रहे हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध के विश्लेषण के बाद हमने रणनीति में बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि 19 महीने से चल रहे युद्ध को देखते हुए कहा जा सकता है कि सेना को लंबी दूरी तक मार करने वाली तोपों, मिसाइलों की जरूरत है। इसके अलावा सेना को आधुनिक बनाने के लिए बड़ी संख्या में ड्रोन भी होने चाहिए। बता दें कि भारत के पास ऐसी तोपों की संख्या ज्यादा थी जिन्हें कैरियर से ले जाने की जरूरत होती है। हालांकि अब सेल्फ प्रोपेल्ट तोपों की खरीद हो रही है। सेना के-9 वज्र के अपग्रेडेड वर्जन का भी परीक्षण कर रही है। सेना तोपखाना रेजमेंट की क्षमता बढ़ाने की तैयारी में है। इसके लिए 300 से ज्यादा स्वेदेशी अपग्रेडेड आर्टिलरी गन सिस्टम और 300 माउंटेड गन सिस्टम की खरीद की प्रक्रिया चल रही है। सेना को दक्षिण कोरिया से लंबी रेंज वाली 100 के-9 वज्र तोपें मिलने वाली हैं।

मिसाइलों को अपग्रेड कर रहा डीआरडीओ- डीआरडीओ भी आधुनिक हथियारों को तैयार करने में लगा है। डीआरडीओ द्वारा तैयारी एटीएजीएस को तेजी से सेना में शामिल किया जा रहा है। इसके अलावा भी देसी कंपनियां हथियारों को उन्नतक करने और बनाने का काम कर रही हैं। जल्द ही सेना में 1580 पुरानी तोपों के उन्नत वर्जन को शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की रेजिमेंट कोभी बढ़ाने का प्लान है। अब ये मिसाइलें 290 नहीं 450 किलोमीटर तक वार कर सकती हैं। बोफोर्स तोपों को उन्नत करके धनुष बना दिया गया है।

संपादकीय

संस्कार उजाला

विमर्श : चूंकि मामला राजद्रोह का है

डॉ. विजय राय

राजद्रोह कानून ब्रिटिश राजशाही के तहत राजनीतिक मकसद साधने के लिए लाया एक क्रूर विधि-उत्पाद है। यह अपनी स्थापना के समय से ही, असहमति को दबाने वाला राजनीतिक प्रकृति का कानून रहा है। मुझे उम्मीद है कि राजद्रोह कानून, जिसका प्रारूप संसदीय समिति के समक्ष विचाराधीन है, उस पर सर्वसहमति से ऐसी राय कोई निकलेगी, जो स्वतंत्र भारत को परिभाषित करने वाला सर्वोच्च न्यायालय की भावना और सरोकार से जुड़ी होगी। वह न्याय की इस बुनियादी अवधारणा के साथ लागू होगी, जिसमें दोषी छूट न पाए और कोई निर्दोष सजा न पाए। मेरा कहना है कि बिल्कुल ठोस सबूत के आग्रह पर अलगाववादियों, उग्रवादियों एवं आतंकवादियों के लिए इसे सुरक्षित रखा जाए ताकि दोष सिद्धि की कम दर पर किसी प्रतिष्ठान को मुंह छिपाने की नौबत न आए। पर केवल किसी भी पार्टी की सरकार को बदलने की लामबंदी या उसके विरुद्ध शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को राज्य का तख्ता पलट का द्रोह कतई न माना जाए।

राजद्रोह (प्रस्तावित देशद्रोह) कानून सर्वोच्च न्यायालय के एक ठोस कदम से एक बार फिर विचार का मुद्दा बन गया है। इसलिए कि इस मामले को संविधान पीठ को सौंपने का निर्णय किया गया है।

12 सितम्बर को न्यायालय ने ऐसा करने से पहले नए विधेयक, जो लोक सभा में पेश होकर संसदीय समिति के समक्ष विचाराधीन है, के कानून बनने तक प्रतीक्षा की केंद्र की सलाह यह कहते हुए ठुकरा दी कि अगर कानून बन भी गया तो इसके आधार पर राजद्रोह के पुराने मामले की समीक्षा नहीं की जा सकती। केदारनाथ सिंह बनाम बिहार सरकार (1962) मामले में पांच सदस्यीय संविधान पीठ का फैसला केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वाले अनुच्छेद 19(1)(ए) के नजरिए से दिया गया था, उसमें अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) का ध्यान नहीं रखा था जबकि यह जरूरी था। केदारनाथ सिंह वाले फैसले में तब संविधान पीठ ने कहा था कि हर नागरिक को सरकार की नीतियों या कामकाज पर टिप्पणी या आलोचना करने का हक है, लेकिन इसका एक दायरा है और इसमें उसकी आलोचना या टिप्पणी राजद्रोह नहीं है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा वक्तव्य देता है या लिखता है, जिससे हिंसा भड़क उठने और विधि व्यवस्था बिगाड़ने का खतरा हो, तो फिर उसका यह काम राजद्रोह के दायरे में आएगा। तब से राजद्रोह के मामले पर विचार का यह निर्णायक बिंदु बना हुआ है।

अगर राजद्रोह के अभियोग में निरुद्ध किए गए कुछ मामलों को देखें तो सर्वोच्च न्यायालय की चिंता जायज लगती है। हाल के वर्षो में, जिस तरह से पत्रकारों, कार्यकताओं, छात्रों, सामाजिक कार्यकताओं, प्रमुख बुद्धिजीवियों और यहां तक कि एक लोक संगीतकार के खिलाफ 124 ए के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई, उससे राजद्रोह कानून सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में आ गया है। जैसा कि अम्बेडकर युनिर्वसटिी की प्रो.अनुष्का सिंह लिखती हैं- '2011 और 2016 के बीच तमिलनाडु के कुडनकुलम में परमाणु विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ राजद्रोह के बड़े पैमाने पर मामले, 2015 और 2016 में हरियाणा में जाटों, गुजरात में पाटीदारों जैसे आरक्षण समर्थक आंदोलनकारियों के खिलाफ, 2019 में खूंटी (झारखंड) में पत्थलगड़ी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ, 2020 और 2021 में दिल्ली, असम और भारत के अन्य हिस्सों में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले ऐसे उदाहरण हैं, जो कानून के उपयोग के जरिए पुलिस द्वारा किए गए सियासी काम को दशार्ते हैं।' राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इसमें तेजी से वृद्धि को रेखांकित करते हैं। इसके मुताबिक राजद्रोह कानून के तहत 2021 में 86 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। वहीं, 2019 में 93 मामले दर्ज किए गए थे, यह 2016 में दर्ज 33 मामलों से 165 फीसद अधिक है। इसके अलावा, इस अभियोग में सजा की दर 2016 में जहां 33.3 फीसद थी, जो 2019 में घटकर 3.3 फीसद रह गई थी।

ऊपर जो मैंने मामले गिनाए हैं, उनके कालखंड समवेत रूप से कांग्रेस या उसकी अगुवाई में बनी सरकार और भारतीय जनता पार्टी या उसके नेतृत्व का है। मतलब यह कि सरकार किसी की भी रही हो पर राजद्रोह के बहुधा मामलों में उसका रवैया सत्तावादी ही रहा है-'को बड़ छोट कहत अपराधू'। इसलिए वे दोनों ही इस मामले में एक दूसरे को उपदेश नहीं दे सकती हैं। बाकी अवसर के हिसाब से एक दूसरे पर लानत-मलामत भले कर लें। सर्वोच्च न्यायालय में 2021 में दायर 10 याचिकाओं में राजद्रोह के अभियोगों को विभिन्न धाराओं के तहत कड़ी चुनौती देने के साथ लोकतांत्रिक देश भारत में इसके क्रियान्वयन और प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठाए गए हैं। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने मई, 2022 में सरकार से पूछा था कि राजद्रोह कानून को अभी तक खत्म क्यों नहीं किया गया? क्या देश की आजादी के 75 साल बाद भी इसे बनाए रखना जरूरी है? अदालत ने 11 मई, 2022 को अपने अंतरिम आदेश में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि इस पर अंतिम रूप से विचार होने तक 124ए के तहत कोई नया मामला दर्ज न किया जाए और न इसमें कोई आगे किसी भी तरह की कार्रवाई हो।

1837 में मैकाले के बनाए गए इंडियन पीनल कोड के 126ए को महात्मा गांधी ने 'नागरिकों की स्वतंत्रता को दबाने के लिए राजनीति प्रयोजन साधने के निमित्त बनाई गई धाराओं का राजकुमार' कहा था, के शिकार होने वाले नेताओं में बाल गंगाधर तिलक के बाद गांधी दूसरे नेता थे। इन दोनों पर ही क्रमशः 'केसरी' और 'यंग इंडिया' में लिखे लेखों के चलते ब्रिटिश सत्ता से द्रोह का अभियोग लगा था। पहला मामला 'बंगोबासी' के मालिक, संपादक, प्रबंधक और प्रिंटर के खिलाफ 1891 में ब्रिटिश सरकार के एज ऑफ कंसेंट एक्ट की आलोचना करने वाले लेख को प्रकाशित करने पर लगाया गया था। आजाद भारत में राजद्रोह कानून जारी रहा। इसका नतीजा यह हुआ कि जवाहरलाल नेहरू, जो गुलाम भारत में इस मुकदमे से प्रताड़ित होने वाले तीसरे नेता थे, के समय में मार्क्सवादी रमेश थापर (बनाम मद्रास स्टेट) के विरुद्ध मामला चला। उन्होंने प्रधानमंत्री की विदेश नीति की आलोचना कर दी थी।

इसी अवधि में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आधिकारिक प्रकाशन, ऑर्गनाइजर के मुद्रक और प्रकाशक बृजभूषण और संपादक के.आर. मलकानी से प्रकाशन के पूर्व सारी सामग्री दिल्ली के कमिश्नर को दिखाने का आदेश दिया गया था। इन दोनों मामलों को निरस्त करते हुए अदालत ने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी है और प्रेस उसका आधार है। मौजूदा विधि आयोग के अध्यक्ष अवकाशप्राप्त न्यायमूर्ति रितु राज अवस्थी ने सरकार को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कहा, 'राजद्रोह कानून की औपनिवेशिक विरासत इसे निरस्त करने का वैध आधार नहीं है और अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी सहित कई देशों के पास अपने स्वयं के ऐसे कानून हैं। कश्मीर से केरल और पंजाब से लेकर उत्तर-पूर्व तक की वर्तमान स्थिति ऐसी है कि जिसमें भारत की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए राजद्रोह पर कानून आवश्यक है'। अलबत्ता, उन्होंने सजाओं के प्रावधान के अंतराल को कम करने की बात की। हालांकि आयोग ने भी सरकार से असहमति या असंतोष को राजद्रोह का मसला नहीं माना है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि राजद्रोह कानून ब्रिटिश राजशाही के तहत राजनीतिक मकसद साधने के लिए लाया एक क्रूर विधि-उत्पाद है। यह अपनी स्थापना के समय से ही, असहमति को दबाने वाला राजनीतिक प्रकृति का कानून रहा है। मुझे उम्मीद है कि राजद्रोह कानून, जिसका प्रारूप संसदीय समिति के समक्ष विचाराधीन है, उस पर सर्वसहमति से ऐसी राय कोई निकलेगी, जो स्वतंत्र भारत को परिभाषित करने वाला सर्वोच्च न्यायालय की भावना और सरोकार से जुड़ी होगी। वह न्याय की इस बुनियादी अवधारणा के साथ लागू होगी, जिसमें दोषी छूट न पाए और कोई निर्दोष सजा न पाए। मेरा कहना है कि बिल्कुल ठोस सबूत के आग्रह पर अलगाववादियों, उग्रवादियों एवं आतंकवादियों के लिए इसे सुरक्षित रखा जाए ताकि दोष सिद्धि की कम दर पर किसी प्रतिष्ठान को मुंह छिपाने की नौबत न आए। पर केवल किसी भी पार्टी की सरकार को बदलने की लामबंदी या उसके विरुद्ध शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को राज्य का तख्ता पलट का द्रोह कतई न माना जाए।

संपादकीय

संवेदनहीनता का चरम

आंध्रप्रदेश की जाह्नवी कंडुला की मौत जनवरी में सड़क दुर्घटना के दौरान अमरीका में हो गई थी। अब आठ महीनों बाद इस दर्दनाक हादसे पर मजाक बनाते हुए ठहाका लगाते पुलिस वाले का वीड़ियो वायरल होते ही मामले ने फिर तूल पकड़. लिया। भारत की कड़ी आपत्ति के बाद अमेरिका ने इस पर निष्पक्ष जांच का वादा किया। स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत 23 साल की कंडुला नार्थइस्टन यूनीवर्सिटी की छात्रा थी। रिपोर्टस के अनुसार वह सड़क पार कर रही थी, तभी तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गई, जिसे पुलिसकर्मी केविन डेव़ चला रहा था। सियेटल पुलिस ऑफीसर्स गिल्ड़ के उपाध्यक्ष डेनियल ऑड़रर को एक वीड़ियो में सुना जा सकता है, जो कह रहा है कि वह मर चुकी है। उसे आम शख्स कहते हुए सिर्फ ग्यारह हजार ड़ॉलर देने की बात के साथ हंस रहा है। इस दर्दनाक वीड़ियो के वायरल होते ही भारतीयों की कड़ी प्रतिक्रियाएं आइृ और वहां के भारतीय दूतावास ने इसे परेशान करने वाला बताया। इस मामले को वाशिंगटन ड़ीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष तुरंत दृढ़ता से उठाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइड़न ने जिम्मेदार पुलिसवालों को न्याय के कठघरे में लाने का आश्वासन भी दिया। इस दुर्घटना में दो चीजें ध्यान खींचती हैं। लापरवाही से की जाने वाली ड्राइविंग, दूसरा और अहम मसला है नस्लवाद का। गैरअमेरीकियों के साथ भेदभाव जारी है। उनके साथ नस्लीय टिप्पणी ही नहीं की जाती बल्कि मार-पीट भी खूब होती है। अश्वेतों व एशियाइयों पर भी उनके ये हमले जारी रहते हैं। हम अपने यहां धर्म/जातियों को लेकर होने वाले भेदभाव पर जब-तब टेसू बहाते हैं। अतिसमृद्ध और दुनिया में खुद को आदर्श के तौर पर पेश करने वाले समाज में जब सार्वजनिक तौर पर इस तरह की नस्लीय टिप्पणियां होती हैं तो शर्मिंदगी का अहसास होता है। स्तब्ध करने वाली इस घटना पर न्याय मिल भी जाए तो परिवार के नुकसान की भरपाई तो नामुमकिन है। मगर उन ढेरों नौजवानों व उनके परिजनों को ढांढस जरूर मिल सकता है, जिन्हें भविष्य संवारने के लिए अमेरिका जैसे मुल्कों में जाना है।

चिंतन-मनन

सम्मान करो संपूर्णता से

तुम किसी का सम्मान उसकी ईमानदारी, बुद्धिमत्ता, प्रेम और कार्य कुशलता जैसे सद्गुणों के लिए करते हो परंतु समय के साथ-साथ इन गुणों में परिवर्तन आता है। जिसके कारण तुम उनका सम्मान नहीं कर पाते। तुम केवल सद्गुणों का, महानता का सम्मान करते हो। मैं संपूर्णता से हर एक का सम्मान करता हूं। इसीलिए किसी भी व्यक्ति के लिए मेरा सम्मान कम नहीं होता। सम्मान पाने के लिए किसी को महान होने की आवश्यकता नहीं। जीवन का सम्मान महान बनाता है। दूसरों से सम्मान की अपेक्षा मत करो। यह कमजोर बनाता है। आत्मा का सम्मान करो। तब कोई तुम्हारे आत्म सम्मान को ले नहीं सकता। जब कोई तुम्हें सम्मान देता है, तो इसलिए नहीं कि तुममे कुछ विशेष गुण हैं। यह उनकी महानता और उदारता के कारण है। यदि तुम कहते हो, ईश्वर महान है, यह तुम्हें महान बनाता है। ईश्वर तो महान हैं ही- तुम्हारे कहने से ईश्वर को कोई फर्क नहीं पड़ता। जब तुम किसी को सम्मान देते हो, यह तुम्हारी विशालता दर्शाता है। यदि तुम सबका सम्मान करते हो तो उतना अधिक तुम्हारा मोल है। वह ज्ञानी है, जो सबका सम्मान करता है। सम्मान देना उन्नत चेतना का गुण है। आत्मा के प्रति सम्मान निष्ठा है और निष्ठा है उन्मुक्त होना। जिस प्रकार तुम मुझे सम्मान देते हो, उसी तरह सबको सम्मान दो। परंतु जो अपेक्षा तुम सबसे करते हो, वह सबसे मत करो। प्रायः तुम इसका उल्टा करते हो। तुम सबको वह आदर नहीं देते, जो मुझको देते हो पर आशा करते हो कि वे तुम्हें खुशी दें, तुमसे उत्तम व्यवहार करें। जब उनका व्यवहार तुम्हारी अपेक्षानुसार नहीं होता, तब तुम निराश होते हो और उनको दोषी ठहराते हो, उनकी निन्दा करते हो। निन्दा करने से, अभिशाप देने से, तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति क्षीण होती है। आशीर्वाद तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति बढ़ाता है। सहनशीलता, धैर्य और विवेक से कुशलतापूर्वक आगे बढ़ो। यदि तुम्हारे आसपास मूर्ख हैं, तो समझो, वे तुम्हें और बुद्धिमान बनाएंगे। तुम कितने केंद्रित हो, यह तुम्हारे आसपास रहने वाले मूर्खों की संख्या से मालूम पड़ता है। मूर्खों को हटाने का प्रयास मत करो। यदि तुम केंद्रित नहीं हो, तो तुममे उनको बर्दाश्त करने का धैर्य नहीं होगा। जब तुम पूर्ण रूप से आत्मस्थित हो, तब पाते हो कि मूर्ख से भी ज्ञान मिल सकता है। वे तुम्हारे ही प्रतिबिम्ब हैं। मूर्ख तुम्हें हताश भी कर सकते हैं, या ज्ञान भी दे सकते हैं, चुनाव तुम्हारा है।

50 देश के करोड़ों लोगों की आबादी पर अकाल और भुखमरी का संकट

सनत जैन

दुनिया भर के देशों में रिकॉर्ड स्तर पर भुखमरी का सामना करने वाले देश की संख्या बढ़कर 50 के आसपास पहुंच गई है। एशिया के अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान जैसे देश गंभीर खाद्य संकट के उच्चस्तर पर पहुंच चुके हैं। यदि इसमें जल्दी ही सुधार नहीं हुआ, तो भुखमरी के हालात पैदा हो जाएंगे। अफगानिस्तान में इस साल जून से अभी तक खाद्य पदार्थों के दाम 40 फीसदी से ज्यादा बढ़ गए हैं। पाकिस्तान के हालात भी बद से बदतर हैं। हाल ही में खाद्य संकट पर जारी वैश्विक अर्धवार्षिक रिपोर्ट 2022 के बाद 9 देश जिसमें सूडान, सोमालिया, बुरुंडी, यमन, कांगो, नाइजीरिया, हेती, जॉर्डन और लेबनान में भारी खाद्य संकट है। गर्भवती महिलायें कुपोषण का शिकार है। जिसका असर बच्चों के ऊपर भी असर पड़ रहा है। महामारी के बाद हुए, आर्थिक नुकसान और यूक्रेन युद्ध के बाद से खाद्य पदार्थों की कीमतें दुनिया भर के देशों में बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। मांग के अनुरूप उत्पादन और सप्लाई नहीं होने के कारण, खाद्य पदार्थों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। मुख्य खाद्य पदार्थ मक्का, चावल, सोयाबीन और गेहूं की पैदावार अंतराष्ट्रीय स्तर पर घट गया है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी, विश्व खाद्य कार्यक्रम डब्ल्यूएफपी की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 78 करोड लोग भुखमरी का शिकार है। इन्हें यह नहीं पता होता है कि उन्हें अगला भोजन कब और कैसे नसीब होगा। दुनिया में 5 साल से कम उम्र के साढे चार करोड़ बच्चे गंभीर कुपोषण के शिकार हैं। दुनिया भर के 50 से अधिक देश इस समय भुखमरी और आर्थिक संकट के शिकार हैं। इस समय लोगों को खाद्य पदार्थ और आर्थिक सहायता की जरूरत है। यदि इसे दूर करने के लिए आवश्यक समर्थन अंतराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान और एक देश दूसरे देश को नहीं देंगे, तो दुनिया भर में भयावह संघर्ष, अशांति और भुखमरी बढ़ेगी। जिसके कारण आंतरिक विद्रोह और तृतीय विश्व युद्ध जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। जिस तरह से दुनिया भर के देशों में खाद्य पदार्थों के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। मानव जीवन के लिए यह सबसे कठिन समय है। यदि हालात पर जल्दी सुधार नहीं हुआ तो, इसके परिणाम 1917 की जार क्रांति की तरह दुनिया के कई देशों में देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस समय 50 से अधिक देश 60 फीसदी से ज्यादा आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे है। इन्हें आर्थिक सहायता की जरुरत है। भारत में भी खाद्य पदार्थों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। भारत जैसे देशों में आम नागरिकों के ऊपर कर्ज बढ़ता जा रहा है। भारत में टैक्स भी पिछले वर्षों में बढ़ता जा रहा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण भारत जैसे देश भी आर्थिक संकट के उसी दौर से गुजर रहे हैं। जिसके फलस्वरुप आर्थिक कारणों से युवा और बेरोजगारों का गुस्सा अब सड़कों में देखने को मिलने लगा है। भारत में अभी खाद्य पदार्थों का वैसा संकट नहीं है, जैसा अन्य देशों में देखने को मिल रहा है। भारत में मंहगाई, आर्थिक मंदी और बेरोजगारी के कारण मध्यम एवं निम्नवर्ग आर्थिक संकट से गुजर रहा है। भारत में आर्थिक कारणों से देश में सैकड़ों लोग जिसमें छात्र, किसान, व्यापारी एवं बीमार व्यक्ति आत्महत्या कर रहे है। जिसके कारण भारत की समस्यायें लगातार बढ़ रही है।

वैश्विकी : जेलेंस्की फिर अमेरिकी शरण में

डॉ. दिलीप चौबे

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अगले सप्ताह अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं, जहां वह व्हाइटैहाउस में राष्ट्रपति जो बाइडन से युद्ध के हालात पर चर्चा करेंगे।

जेलेंस्की हथियारों की एक सूची पेश करेंगे तथा इनकी आपूर्ति की मांग रखेंगे। पिछले 19 महीनों के दौरान अमेरिका और पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को बड़ी मात्रा में आधुनिक हथियारों की आपूर्ति की है, लेकिन इनमें लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल शामिल नहीं हैं। अमेरिका इस बात की सतर्कता बरत रहा है कि यूक्रेन को ऐसे हथियार न दिए जाएं जो रूस की मुख्य भूमि तक मार कर सकें। जाहिर है कि अमेरिका और नाटो देश रूस के साथ सीधे युद्ध का जोखिम नहीं उठाना चाहते। ये देश यूक्रेन के जरिये प्रच्छन्न युद्ध चला रहे हैं। इसका उद्देश्य रूस को सैनिक और आर्थिक दृष्टि से कमजोर करना है। अभी तक के घटनाक्रम से स्पष्ट है कि पश्चिमी देश इस रणनीति में असफल साबित हुए हैं। भारत और चीन जैसे मित्र देशों की मदद से रूस ने आर्थिक प्रतिबंधों को निष्प्रभावी बना दिया है। रूस का तेल और गैस कारोबार लगभग पहले की तरह जारी है। पश्चिमी देशों को इस बात का भान हो गया है कि ग्लोबल साऊथ के देश रूस के खिलाफ प्रतिबंधों पर अमल नहीं करेंगे। इन देशों पर दबाव डालने की कोशिश भी सफल नहीं होगी।

यूक्रेन समर्थक विश्लेषकों को सबसे अधिक निराशा यूक्रेन के जवाबी हमले की असफलता से हुई है। जवाबी हमले के संबंध में यह कहावत चरितार्थ होती है कि 'सौ दिन चले अढ़ाई कोस'। जून महीने में शुरू हुए जवाबी हमले के बाद से यूक्रेन की सेना रूस की त्रिस्तरीय रक्षा प्रणाली से जूझ रही है। इस रक्षा प्रणाली ने बारूदी सुरंगें 'ड्रैगन टीथ' (प्रस्तर खंड) और खंदक शामिल हैं। उनके पीछे रूस की नियमित सेना है। इन अवरोधों को पार करना यूक्रेन ही नहीं बल्कि नाटो सेनाओं के लिए भी दुरूह है। इस बीच जेलेंस्की ने रूस को परेशान करने के लिए नई रणनीति शुरू की है। कालासागर में तैनात रूस के युद्धपोतों को ड्रोन और मिसाइल के जरिये निशाना बनाया जा रहा है। क्रीमिया और कालासागर रूस के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में रूस अपने वर्चस्व की हर कीमत पर रक्षा करेगा।

जेलेंस्की की अमेरिका यात्रा उस समय हो रही है जब अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की प्रारंभिक हलचल शुरू हो गई है। संभावित प्रत्याशियों ने यूक्रेन युद्ध के संबंध में अपनी नीति का खुलासा करना शुरू कर दिया है। पिछले वर्ष दिसम्बर में जब जेलेंस्की ने अमेरिका की यात्रा की थी उस समय यूक्रेन को समर्थन देने पर प्रायः मतैक्य था। सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी ने जेलेंस्की का स्वागत युद्ध हीरो के रूप में किया था। उनकी तुलना नेल्सन मंडेला और विंस्टन चर्चिल से की गई थी। आज के हालात अलग हैं। यूक्रेन और जेलेंस्की के खिलाफ सबसे तीखी आलोचना रिपब्लिकन पार्टी के भारतीय मूल के संभावित उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने की है। विवेक ने एक इंटरव्यू में जेलेंस्की को 'फ्रॉड' तक कह डाला है। उम्मीदवारों की बहस के दौरान भारतीय मूल की निक्की हेली (निम्रता रंधावा) और विवेक रामास्वामी के बीच तीखी नोक-झोंक हुई।

निक्की हेली ने विवेक पर 'हत्यारे' ब्लादिमीर पुतिन का समर्थन करने का आरोप लगाया। जवाब में विवेक ने हेली से कहा कि आप अमेरिकी हथियार कंपनियों में नौकरी की तलाश कर रहीं हैं। इस बहस से जारी है कि अमेरिका का राजनीतिक नेतृत्व विभाजित है। फिलहाल, मीडिया के जरिये अमेरिका और पश्चिमी देशों में रूस विरोधी भावनाओं को भड़काया गया है। जनमत रूस और पुतिन के खिलाफ है तथा कोई युक्तिसंगत फैसला करना किसी भी नेता के लिए मुश्किल है। दुनिया के प्रमुख देशों में भारत एक अपवाद है जहां रूस और पुतिन के पक्ष में प्रबल जनमत है। मीडिया और समीक्षकों के छोटे वर्ग को छोड़कर अधिकतर भारतीय रूस को भरोसेमंद देश मानते हैं। पुतिन की भी भारत में सकारात्मक छवि है। पश्चिमी देशों के समीक्षक हैरान हैं कि भारत के लोग रूस के पक्ष में क्यों हैं। इसका एक कारण बांग्लादेश के मुख्य संग्राम के दौरान अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के खिलाफ रूस की ओर से भारत को समर्थन दिया जाना था। इस घटनाक्रम को 50 साल बीत चुके हैं लेकिन सभी उतार-चढ़ावों के बावजूद 'हिंदी-रूसी भाई-भाई' की भावना अभी भी बरकरार है।

जमीनी विवादः भाई ने भाई पर फावड़े से हमला कर उतारा मौत के घाट

संस्कार उजाला, महेश शर्मा

कसया, कुशीनगर। नगर थाना क्षेत्र के वार्ड नं 18 श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर एक व्यक्ति ने अपने ही सगे छोटे भाई तथा उसकी पत्नी पर शनिवार की देर रात फावड़ा से मारकर हत्या कर दी। जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेंद्र गुप्ता (65 वर्ष) का अपने छोटे सगे भाई रुदल गुप्ता के साथ जमीन जायदाद के बटवारे को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था। मृतक रुदल गुप्ता तरकुलवा थाने अंतर्गत कमलाचक निवासी थे परंतु अपने परिवार संग तुर्कपट्टी में मिले नेवासा में रहते थे। मृतक रुदल गुप्ता के 4 बच्चे है। जिसमे 2 लड़के राजू गुप्ता (24 वर्ष), श्रेयांश गुप्ता (17 वर्ष) और 2 लड़किया माधुरी (20 वर्ष), रागिनी (22वर्ष) है। वारदात के समय रुदल गुप्ता की पुत्री माधुरी भी बीच बचाव में घायल हो गई थी जिसका इलाज कसया सीएचसी में हुआ। शनिवार की देर रात करीब 12 बजे घर के बाहर चौकी पर सोते हुए फावड़े से हमला कर दिया। जिसमे रुदल गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी ज्ञांति देवी (60 वर्ष) अस्पताल में जिंदगी मौत से जूंझ रही है। देर रात मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हत्यारोपी राजेन्द्र गुप्ता पुत्र सन्हू, सतीश गुप्ता पुत्र राजेन्द्र (27 वर्ष), आरती देवी पत्नी राजेन्द्र व रागिनी देवी पत्नी संजय गुप्ता (30 वर्ष) को हिरासत में ले लिया। मामले में कसया थाने में क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज जितेंद्र कालरा व एसएचओ डा0 आशुतोष कुमार तिवारी ने मथौली में हुए हत्याकांड के सबन्ध में प्रेस वार्ता में घटना के बावत जानकारी दी। मृतक की पुत्री माधुरी की तहरीर पर मुअसं 824/23 धारा 302/ 307/ 504/ 506/34 भादवि पंजीकृत कर पुलिस आगे की कार्यवाही में जुट गई है। पुलिस अधीक्षकके निर्देश पर गिरफ्तारी टीम को 25 हजार नकद पुरस्कार की घोषणा की गई। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई हरेराम सिंह, एसआई अंजली त्रिपाठी, का0 उमेश सिंह, का0 कमलेश कुमार, का0 श्रीकृष्ण कुमार पाण्डेय व महिला कांस्टेबल पूनम गौंड शामिल रहीं।

कुलेसरा में प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर लगाया गया

संस्कार उजाला,

गौतमबुद्धनगर। आज देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन पर दादरी विधानसभा में विभिन्न कार्यक्रमों सेवा पखवाड़ा का आयोजन दादरी विधायक श्री तेजपाल नागर जी द्वारा किया गया जिसमें गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा भी मौजूद रहे। आज दादरी विधानसभा के ग्राम कुलेसरा में सर्वप्रथम प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर लगाया गया और कुलसेरा में ही भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना करके प्रधानमंत्री मोदी की लंबी आयु की कामना गौतमबुद्ध नगर सांसद डॉक्टर महेश शर्मा जी एवं दादरी विधायक श्री तेजपाल नागर द्वारा की गई। आज दादरी विधानसभा में प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में ही 3 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों के शिलान्यास और उद्घघाटन किए गए। दादरी विधानसभा में विधायक नागर ने आज प्रधानमंत्री मोदी जी का जन्मदिन पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जिसमें दादरी सामुदायिक अस्पताल में फल वितरण भी किए गए और इसके साथ ही क्षेत्र में जनसंवाद भी किया गया। आज के कार्यक्रम में दादरी विधायक नागर के साथ विकास शर्मा,गोपाल पण्डित ,पीतम सिंह,मिथलेश,अनुज शर्मा,मनोज चौहान,मनोज ठाकुर,ऊ ठ. त्यागी, आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

चौड़ा गांव सेक्टर 22 में किया गया ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन

संस्कार उजाला, सचिन शर्मा

नोएडा। विश्वकर्मा पूजा के शुभ उपलक्ष पर व लगातार नोएडा शहर में डेंगू के प्रकोप को देखते हुए एडवोकेट अनुज सिंह राणा के नेतृत्व में बाबा मार्केट चौड़ा गांव सेक्टर 22 में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया जिसमें स्थानीय लोगों ने पर चढ़कर हिस्सा लेने का काम किया, महिलाओं ने भी रक्तदान करने का काम किया इस कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में ओमपाल राणा वरिष्ठ नेता समाजवादी पार्टी एडवोकेट सचिन शर्मा एडवोकेट लव कुश चौहान, निर्मला राणा,अंकित सिंह राणा,सौरभ राणा ,यश राणा ,योगेश चौहान, निर्मला राणा ,चेतन राणा, ओमपाल सिंह राणा, कविता राणा, तनु राणा, सूरज राणा ,पुनीत चौहान, प्रशांत राणा ,विपिन कुमार ,सुरेंद्र, नजर ,संदीप चौहान, अंकित सिंह, अनुज सिंह राणा, कार्तिक, अनुज चौहान, नेपाल सिंह राणा, देवेंद्र चौहान, संदीप कुमार, अजीत कुमार, अजीत सिंह, राजन तिवारी, मिथुन यादव, राजीव चौहान, मोहम्मद जावेद,नीरज राणा, रचिन, पंकज सिंह, रवि राणा, मुख्य रूप से मौजूद रहे।

दिव्य लाइब्रेरी और के एफ सी फाइनेंस सलोशन पॉइंट के ऑफिस किया गया उद्घाटन

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़ । मेरठ रोड आवास विकास कलोनी मैं दिव्य लाइब्रेरी का शुभारम्भ किया गया !जिसका हापुड़ नगर पालिका परिषद की चेयरमेन पुष्पा देवी के पति श्री पाल सिंह ने अपने समस्त समर्थको के साथ फीता काटकर उद्घाटन किया !वहीं श्री पाल सिंह का बसपा विधानसभा अध्यक्ष श्री केपी सिंह ने फूल माला पहनाकर स्वागत भी किया !बताते चलें की दिव्य लाइब्रेरी के संस्थापक केपी सिंह ने मीडिया से रूबरू होते हुए बताया की लाइब्रेरी मैं आने वाले बच्चों को सभी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी !वहीं केपी सिंह ने साथ मैं यह भी कहा कि हम लाइब्रेरी के माध्यम से शिक्षा से वँचित गरीब मजदूरों के बच्चों पर भी फोकस करेंगे हमने कोई फीस नहीं रखी हम लाइब्रेरी मैं अपनी तरफ से बच्चों को वो फुल सुविधाएं देंगे जो शिक्षा के साथ साथ देनी चाहिए !लाइब्रेरी के साथ साथ केपी सिंह ने अपने स्वर्गीय पिताजी के नाम पर खोले गए के एफ सी फाइनेंस सलोसन पॉइंट के ऑफिस का भी उद्घाटन कराया !उद्घाटन के उपलक्ष मैं बाहर से आए अतिथि गणों के लिए खाने की व्यवस्था भी की गई !जहाँ हापुड़ से बसपा विधानसभा अध्यक्ष केपी सिंह के साथ पूरा परिवार व समस्त हापुड़ वासी रहे।

हापुड़ में जनरल ई मोटर्स शोरूम का हुआ उद्घाटन

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़ । बुलंदशहर रोड स्थित फिरोज बिल्डिंग के पास जनरल-ई-मॉटर्स शोरूम का उद्घाटन किया गया !जहाँ मुख्य अतिथि के रुप में रहे नगर पालिका परिषद चेयरमेन पुष्पा देवी के पति श्रीपाल सिंह ने अपने समस्त बसपा स्टॉफ के साथ सीता काटा !वही विशिष्ट अतिथि मैं पूर्व विधायक गजराज सिंह भी रहे !आपको बतादें की जनरल ई मोटर्स के ऑनर हाजी इस्लामुद्दीन मेवाती ने कहा की हमने शहर मैं नई पहल शुरू की है जहाँ लोगों को ई रिक्शा और स्कूटियां के जैसी सुविधा अब यहीं मुहईया कराई जाएंगी इससे पहले लोगों को बाहर जाना पड़ता था !इस मोके पर सलाउद्दीन पहलवान (सभासद)हाजी अयूब (सभासद)इमरान मेवाती एड.शाहिद एड.मुजबिररहमान एड. डॉ गुलहसन डॉ गुलफाम डॉ अनीश डॉ दिलशाद हाजी लियाकत तुल्ला वाले दानिश ए पी जे अब्दुल कलाम चेयरमैन नौशाद भाई इशरार अली एड. व अन्य लोग उपस्थित रहे।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में हापुड़ आकृति त्यागी ने किया जनपद का नाम रोशन

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़। दिल्ली में जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम वूमेन लीग खेलो इंडिया के द्वारा भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें हापुड़ निवासी संजय त्यागी की पुत्री आकृति त्यागी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया सूचना मिलते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई जहाँ राष्ट्रीय सैनिक संस्था की पश्चिमी उत्तर प्रदेश की महिला बिग्रेड सुमन त्यागी व जिला अध्यक्ष ज्ञानेंद्र त्यागी ने संजय त्यागी को फोन करके राष्ट्रीय सैनिक संस्था की ओर से शुभकामनाएं दी और आकृति के हापुड़ पहुचने पर उन्हे संस्था की ओर से सम्मानित करने की बात कही।

झण्डा पूजन एवं पोस्टर विमोचन कार्यक्रम सम्पन्न

संस्कार उजाला

आगरा। गणेश सेवा समिति द्वारा श्रीजी की श्रीमद भागवत कथा का आयोजन समिति द्वारा 20 सिंतबर से शहर में स्थित खेमेश्वर नाथ मंदिर तोता का ताल लोहा मंडी में वृन्दावन से पधारी पूज्या पंडित गरिमा किशोरी द्वारा की जाएगी। आयोजन समिति ने बताया कि समिति द्वारा हर वर्ष होने वाली सात दिवसीय भागवत कथा इस बार गणेश महोत्सव के साथ रखी गयी है। 19 सितंबर को बड़ी ही धूम धाम से कलश यात्रा व गणेश पूजन होगा। । बहुत ही सुंदर सी गणेश जी की प्रतिमा 19 सितंबर को दोपहर 2 बजे कलश यात्रा के साथ शहर का भ्रमण करते हुए कथा स्थल पहुंचेगी व 20 सितंबर से शाम 2 बजे से 6 बजे तक कथा का वाचन होगा। इस शुभ अवसर पार्षद शरद चौहान , पार्षद विष्णु कुशवाहा, पूर्व पार्षद श्याम भोजवानी,सोनू माहौर, राजू सलूजा, शंकरलाल माहौर,मनोज कुमार, नंदलाल छतानी, प्रदीप बनवारी, स,गुरविंदर आहूजा, मनोज मल्होत्रा,रवि माहौर, वीरू सैनी, अजय माहौर, पंकज राजपूत, मुन्नालाल माहौर, किशोर सैनी,पंडित विद्या सागर तिवारी, सत्यम शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

लोगों ने मिलकर मनाया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़। उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ के नगर पालिका पिलखुवा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस पर नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष नरेश तोमर जी ने अपने सभी भाजपा कार्यकताओं के साथ प्राचीन शिव पीठ हनुमान मंदिर रजनी विहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की लंबी उम्र के लिए पूरे विधि विधान से हवन का आयोजन किया गया जिसमें जिला अध्यक्ष नरेश तोमर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहां की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने जन्म दिवस पर पूरे भारत को विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं के साथ पीएम विश्वकर्म योजना का शुभारंभ किया जिसमें विश्वकर्मा भाई बहनों को 3 लाख तक का बिना गारंटी ऋण सुविधा 15000 तक की टूल किट स्किल अपग्रेड करने के लिए ट्रेनिंग और ₹500 प्रतिदिन जिसमें नाम निमार्ता एस्ट्रकार लोहे का काम करने वाले टोकरी चटाई झाड़ू बनाने वाले गुड़िया और खिलौना निमार्ता कुम्हार जूते बनाने वाले हथोड़ा टूलकिट निमार्ता मूर्ति तरसने वाले पत्थर तोड़ने वाले राजमिस्त्री बाल काटने वाले कपड़े धोने वाले दर्जी एवं मछली पकड़ने का दाल बनाने वाले ऐसे लगभग 18 प्रकार के कारीगरों में शिल्पकारों को इसका लाभ मिलेगा नगर उपाध्यक्ष मनीष माहेश्वरी सभासद विकास तोमर सभासद अंशुल मित्तल नगर महामंत्री सुमित रोहिल्ला मदनपाल सिसोदिया शिवम गिरी अवधेश तोमर शैलेंद्र शर्मा जयप्रकाश राम भूल प्रधान राजू पंडित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकास कार्यों में जनपद की खराब रैंकिंग पर सीडीओ ने लगाई अधिकारियों को कड़ी फटकार

संस्कार उजाला

सहारनपुर। मुख्य विकास अधिकारी श्री विजय कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैश बोर्ड के सफल क्रियान्वयन एवं संचालन के लिए सभी विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में सीडीओ ने जनपद की खराब रैंकिंग आने पर कडी नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित विभागों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। श्री विजय कुमार ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह पोर्टल योजनाओं के क्रियान्वयन का सबसे महत्वपूर्ण पोर्टल है इसलिए इसे गंभीरता से लिया जाए। जो विभागीय अधिकारी पोर्टल को लेकर गंभीर नहीं है उनके विरूद्ध कडी कार्यवाही करते हुए शासन को भी पत्र प्रेषित किया जाएगा। पोर्टल पर अपलोड फीडिंग के आधार पर ही जनपद की रैंकिंग निर्धारित की जा रही है। इसलिए त्रुटिरहित डाटा फीडिंग करने में लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विभागीय अधिकारी केवल रैंकिंग वाली योजनाओं पर ही अपना ध्यान केन्द्रित न करते हुए सभी विभागीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं। जिन विभागों को लॉगइन आईडी की जानकारी नहीं है वे तत्काल अपने राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी से सम्पर्क कर लॉगइन आईडी अतिशीघ्र प्राप्त कर लें। उन्होने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इसके सफल क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए कर्मचारियों को भी इसके बारे में अवगत कराएं। इसके अन्तर्गत डाटा फीडिंग में होने वाली त्रुटियों के संबंध में मुख्यालय पर निर्धारित नोडल अधिकारी से वार्ता कर जनपद के डाटा को ठीक करवाएं। उन्होने बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों के प्रति नाराजगी प्रकट की और उन्हे अलग से बुलाकर बैठक करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री अमित कुमार सहित संबंधित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश उपाध्यक्ष आरके शर्मा एवं जिला संरक्षक रायबरेली को प्रशस्ति पत्र से किया सम्मानित

संस्कार उजाला

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजिस्टर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा ने प्रधान कार्यालय पर प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी देते हुए आरके शर्मा एवं जिला संरक्षक रायबरेली संदीप कुमार श्रीवास्तव को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया आपको बताते चले राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजिस्टर्ड एक ऐसा संगठन है जो पत्रकारों के हितों की लड़ाई लड़ता है पत्रकारों के हितैषी कहे जाने वाले संगठन के मुखिया हर समय पत्रकारों की सेवा में सदैव तत्पर रहते हुए उनकी आवाज को शासन प्रशासन पर पहुंचने का कार्य संगठन के माध्यम से करते रहते हैं उनका कहना है पत्रकार अपनी कलाम की माध्यम से सच्चाई को लिखता है अगर कोई भी उसे दबाने का प्रयास करेगा तो हमारा संगठन उसके विरोध में आवाज उठाएगा संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष आरके शर्मा एवं जिला संरक्षक रायबरेली संदीप कुमार श्रीवास्तव जी ने संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने जो हमें जिम्मेदारी दी है उसका मैं निष्ठा पूर्वक निर्वहन करुंगा और उनके विश्वास पर खरे उतरने का प्रयास करूंगा।

प्रकृति से जुडकर जीवन को सुखमय बनाएं : स्वामी आनंद

संस्कार उजाला, सचिन शर्मा

नोएडा। सेक्टर 82 स्थित एल तिकोना पार्क में बियोंड थ्री के संस्थापक स्वामी आनंद के नेतृत्व में योग कार्यक्रम संचालित हुआ।स्वामी जी ने कहा कि स्वास्थ्य ठीक रखने के लिए योगा बहुत जरूरी है। हमारी संस्था के प्रशिक्षित गुरूओ के संरक्षण में योगा करने से कयी असाध्य रोगों से छुटकारा मिल सकता है। इसलिए आप सभी वियोड थ्री से जुड़े और अपने अपने स्वास्थ्य को ठीक रखें।श्री स्वामी जी ने लोगों को डायिड चार्ट के बारे में जानकारी दी और पालन करने का अनुरोध किया।नोएडा 47 पार्क के सीनियर प्रकृति संवर्धक सुरिंदर चौहान , प्रकृति संवर्धक राम भजन , बियोंड थ्री के मैनेजमेंट सदस्य ए. के. सिंह एवं विजय कुमार, आशीष , द्वारा नव निर्मित पार्क में बियोंड थ्री की टेकनीक के बारे लोगो को जागरूक किया गया ।और इसके द्वारा होने वाले फायदे के बारे में समझाया गया , इसके अलावा नये लोगो द्वारा टेकनिक से होने वाले अपने अपने अनुभव साझा किये और बताया की कैसे उन्हे फर्क महसूस हुआ पहले और अब में। इसके पश्चात आगे की योजनाओं के बारे में व बियोंड थ्री के कार्य योजनाओं के बारे में विचार विमर्श किया गया जिसमें मैनेजमेंट के बारे में विचारों में वह संस्था को आगे बढ़ाने हेतु विचार विमर्श किया गया।

सभी लोगों को पार्क में आने के लिए हृदय के गहराइयों से धन्यवाद् भी दिया।इस मौके पर संजय पांडेय, गोरे लाल,सी एल तिवारी, देव मणि शुक्ल (पत्रकार),रमेश चंद्र शर्मा,दीपक तिवारी, प्रियंका , प्रमोद तिवारी,शिव व्रत तिवारी, विष्णु शर्मा, सुबोध तिवारी, रवि राघव, विजय कुमार, आलोक कुमार तिवारी, अरविंद परिहार, धर्मेंद्र सिंह, हरि शंकर सिंह, उत्तम चंद्रा, अंगद सिंह तोमर, संगम प्रसाद मिश्र, प्रमोद यादव,हंस मणि शुक्ल, सत्येन्द्र प्रताप सिंह,कमल पात्रा, मुकेश रावत, छोटे लाल,हंस मणि शुक्ल,सर्वेश तिवारी, रंजीत पटेल,आर पी सिंह, विवेक कुमार, अभिषेक, पीयूष शुक्ल, मधुर राघव आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पीएम ने देशवासियों के मन में भरा नया आत्मविश्वासः सीएम योगी

संस्कार उजाला, आरके शर्मा

लखनऊ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के 140 करोड़ जनमानस के मन में जहां एक नया आत्मविश्वास भरा है, वहीं वैश्विक मंच पर भी भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। भारत के नागरिकों के प्रति भी एक सम्मान का भाव दुनिया के अंदर देखने को मिला है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर हजरतगंज के जीपीओ पर उनके जीवन पर आधारित प्रदर्शनी के अवलोकन पर कही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73 वें जन्मदिन पर प्रदेश सरकार और प्रदेशवासियों की ओर उन्हे जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके उत्तम और दीर्घ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि देश की संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं, यह हम सबका सौभाग्य है। पिछले साढ़े नौ वर्ष में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 140 करोड़ की देश की आबादी ने एक नए भारत को उभरते और आगे बढ़ते हुए देखा है। वहीं दुनिया ने भी एक नए भारत का दर्शन किया है। आजादी के बाद पहली बार बिना भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक तबके तक पहुंचना, अपनी अभिनव योजनाओं के माध्यम से गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाएं और युवाओं के लिए जो कार्यक्रम पिछले साढ़े नौ वर्ष में प्रारंभ हुए हैं, इन्होंने देश के करोड़ों लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन करने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार किसान के साथ कृषि को शासन के एजेंडे की प्राथमिक सूची में शामिल किया गया है। इतना ही नहीं युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ उन्हे स्वरोजगार से जोड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, पीएम मुद्रा की योजनाएं, बेटियों और महिलाओं के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ समेत अनेक योजनाओं के जरिये देशवासियों के जीवन में व्यापक परिवर्तन करके एक नया आत्मविश्वास भरा है। पूरे विश्व में योग को वैश्विक मान्यता मिलना, कोरोना महामारी के दौरान दुनिया भर में आयुष पद्धति के प्रति रुझान बढ़ना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उभरते भारत की नयी तस्वीर को दशार्ता है। वहीं काशी में काशी विश्वनाथ धाम, उत्तराखंड के चार धाम, सोमनाथ का पावन मंदिर और महाकाल का महालोक, इन सबको अपने सामने वर्तमान पीढ़ी एक नए रूप में देख रही है। यही नहीं अयोध्या में 500 वर्षों के बाद राम जन्मभूमि पर भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण विरासत के प्रति सम्मान और अटूट आस्था का भाव प्रदर्शित करता है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से ही डिजिटल इंडिया के जरिये देश में परिवर्तन की नई क्रांति देखने को मिली है। साथ ही भ्रष्टाचार पर प्रहार इसका उदाहरण है। वहीं बिना भेदभाव के गरीबों को मकान, रसोई गैस कनेक्शन, टॉयलेट, गरीब के घर में उजियारे के लिए सौभाग्य योजना जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाएं अपने नागरिकों के प्रति सरकार की संवेदना को व्यक्त करती है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बखूबी करके दिखाया है। ऐसे यशस्वी नेतृत्व के धनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर लगी प्रदर्शनी के जरिये प्रदेशवासी और नई पीढ़ी को उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं से नई प्रेरणा प्राप्त होने के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण का एक नया भाव पैदा होगा।

मोदी ने प्रसिद्ध लेखिका गीता मेहता के निधन पर व्यक्त किया शोक

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को प्रसिद्ध लेखिका और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की बहन श्रीमती गीता मेहता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने आज एक्स पोस्ट में कहा, 'मैं प्रसिद्ध लेखिका श्रीमती गीता मेहता जी के निधन से दुखी हूं। वह बहुमुखी व्यक्तित्व की धनी थीं, जो अपनी बुद्धिमता और लेखन के साथ-साथ फिल्म निर्माण के प्रति जुनून के लिए प्रसिद्ध थीं। वह प्रकृति और जल संरक्षण के प्रति भी समर्पित थीं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं ओडिशा नवीन जी और पूरे परिवार के साथ हैं। ओम शांति।' उल्लेखनीय है कि प्रसिद्ध लेखिका और ओडिशा के मुख्यमंत्री पटनायक की बहन गीता मेहता का शनिवार को 80 वर्ष की आयु में दिल्ली में अपने घर में निधन हो गया। वह वृद्धावस्था बीमारियों से पीड़ित थीं।

मोदी ने देशवासियों को विश्वकर्मा जयंती पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देशवासियों को विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं दी और सभी शिल्पकारों और रचनाकारों को नमन किया जो लगन, प्रतिभा और परिश्रम से समाज में नवनिर्माण को आगे ले जा रहे हैं। श्री मोदी सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म'एक्स'पर कहा, 'भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर अपने सभी परिवारजनों को बहुत-बहुत बधाई। इस अवसर पर अपनी लगन, प्रतिभा और परिश्रम से समाज में नवनिर्माण को आगे ले जाने वाले सभी शिल्पकारों और रचनाकारों का हृदय से वंदन करता हूं।÷ श्री मोदी ने अपनी पोस्ट के साथ भगवान विश्वकर्मा के चित्र वाला एक वीडियो भी साझा किया। उस पर लिखा, 'आज के विश्वकर्मा के साथी आत्मनिर्भर भारत के प्रतीक।'

अश्विनी वैष्णव ने एएमपीसी में स्वच्छता अभियान 3.0 की शुरुआत की

नई दिल्ली। संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नयी दिल्ली के एयरोसिटी में स्थित स्वचालित डाक संसाधन केंद्र (एएमपीसी) में स्वच्छता अभियान 3.0 की शुरुआत की। अभियान का उद्देश्य 'स्वच्छता से श्रेष्ठ भारत' है। आज स्वच्छता अभियान 3.0 की शुरुआत में स्वच्छता और पौधारोपण किया।

कुत्ते के साथ क्रूरता करने के मामले में केस दर्ज

नई दिल्ली। राजौरी गार्डन इलाके में एक कुत्ते के साथ क्रूरता करने का मामला सामने आया है। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि वीडियो के संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अप्राकृतिक यौनाचार और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि वीडियो में आरोपित का चेहरा साफ तौर पर नहीं दिख रहा है। पुलिस उसकी पहचान करने में जुटी है।हाल के दिनों ने पश्चिम दिल्ली के सोशल प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें एक व्यक्ति को कुत्ते से क्रूरता करते हुए देखा गया। मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने वीडियो की सत्यता की जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि मामला राजौरी गार्डन के सुभाष नगर इलाके की है। 6 सितंबर को एक शख्स ने अपने पड़ोस में कुत्ते के साथ हो रहे क्रूरता को देखकर वीडियो बनाया था। बाद में उसे वायरल कर दिया। पुलिस अधिकारी का कहना है कि वीडियो पुराना भी हो सकता है। इसमें आरोपित का चेहरा साफ तौर पर दिख नहीं रहा है। आशंका इस बात की भी है कि आपसी विवाद को लेकर भी इस तरह का वीडियो बनाया गया हो।

मारक क्षमता बढाने के लिए अत्याधुनिक तोप, मिसाइल , राकेट और ड्रोन से लैस होगी सेना

नई दिल्ली। चीन और पाकिस्तान के दोहरे मोर्चों पर उत्पन्न चुनौतियों तथा युद्ध में प्रौद्योगिकी की दिनों दिन बढती भूमिका को देखते हुए सेना किसी भी जंग में दुश्मन की कमर तोड़ने वाली आर्टिलरी रेजिमेंट यानी तोपखाना रेजिमेंट की मारक क्षमता बढाने और इसे सटीक तथा विश्वसनीय बनाने के लिए अत्याधुनिक तोप, मिसाइल , राकेट, ड्रोन तथा गोला बारूद से लैस करने में जुटी है।

पिछले करीब डेढ वर्ष से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध के विश्लेषण के आधार दुनिया भर की सेनाओं ने इस बात को माना है कि भले ही बीते दशकों में युद्ध का स्वरूप कितना ही बदल गया हो लेकिन किसी भी जंग को जीतने के लिए अत्याधुनिक , सशक्त और नवीनतम प्रौद्योगिकी पर आधारित हथियारों से लैस आर्टिलरी बहुत जरूरी है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने आर्टिलरी रेजिमेंट के महत्व को स्थापित करने के साथ साथ इस बात को भी साबित किया है कि अब सेनाओं को लंबी लड़ाईयों के लिए तैयार रहना होगा। इसके लिए पर्याप्त संसाधन और हथियारों की जरूरत होगी।

रक्षा सूत्रों ने बताया कि इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए आर्टिलरी रेजिमेंट अपनी मारक क्षमता बढाने तथा हथियारों के जखीरे को पुख्ता करने की समयबद्ध और दीर्घकालिक रणनीति तथा योजना पर काम कर रही है। इस योजना में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए अधिक से अधिक स्वदेशी हथियारों

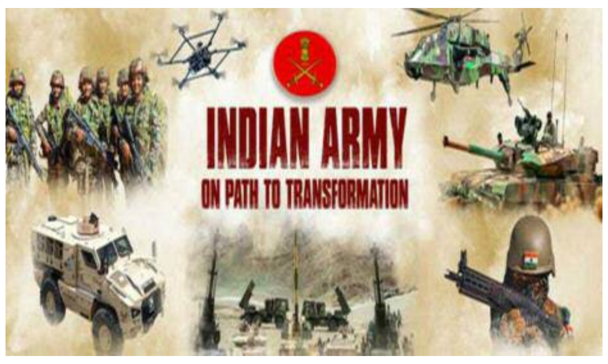

की खरीद पर जोर दिया जा रहा है। योजना के तहत आर्टिलरी रेजिमेंट के लिए 155 एमएम और 52 कैलिबर की 300 स्वदेशी एडवांस टोवड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस),300 माउंटेड गन सिस्टम की खरीद की जा रही है। सेना का अनुमान है कि रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की रफ्तार को देखते हुए अगले डेढ दशक में उसके तोपखाने में सभी हथियार और तोप स्वदेशी होंगे।

सूत्रों ने कहा कि चीन और अन्य बड़े देशों की सेना अब अपनी सभी तोपों को 155 एम एम की तोप में बदल रहे हैं और इसे देखते हुए भारतीय सेना भी 155 एम एम की अधिक से अधिक तोप खरीदने की योजना पर काम कर रही है। इसके अलावा सेना कम समय में सटीक वार करने वाली करीब 100 के-9 वज्र तोप खरीदने जा रही है। चीन के साथ जारी तनाव को देखते हुए भी इन तोपों की खरीद को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सेना भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए धनुष , सारंग , अल्ट्रा लाइट हाविट्जर तोपों को भी विशेष तरजीह दे रही है। इसके अलावा लंबे समय तक सेना की रीढ रही और कारगिल लड़ाई में अपना दम खम दिखाने वाली बोफोर्स तोप भी अभी सेना की ताकत बढा रही है और सूत्रों का कहना है कि हाल फिलहाल इसे हथियारों के जखीरे से बाहर करने की योजना नहीं है। सेना का मानना है कि आर्टिलरी रेजिमेंट की मारक क्षमता को बढाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस प्लेटफार्म की खरीद जरूरी है। इसके साथ ही लंबी दूरी तक सटीक मार करने वाले रॉकेट तथा मिसाइलों की संख्या जितनी ज्यादा होगी आर्टिलरी की ताकत उतनी ही बढेगी। चौकस निगरानी और लक्ष्य निर्धारण प्रणाली पर भी लगातार जोर दिया जा रहा है।

सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी की अनुपलब्धता की शिकायत पर दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग ने सरकारी अस्पतालों में मुफ्त सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी उपलब्ध न होने की शिकायत पर राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) के साथ-साथ राज्य और केंद्र सरकार को एक नोटिस जारी किया है। आयोग को दिल्ली के आरएमएल में सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी (एसआरएस) की अनुपलब्धता के संबंध में एक शिकायत मिली। शिकायतकर्ता ने कहा है कि उसने मुफ्त सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी के लिए आरएमएल अस्पताल से संपर्क किया था। उसने बताया कि भले ही सरकारी अस्पतालों में मुफ्त एसआरएस शुरू हो गया है, लेकिन वह अस्पताल में अपनी सर्जरी नहीं करा पा रही है।

इसके अलावा, दिल्ली महिला आयोग द्वारा विभाग के समक्ष मुद्दा उठाने के बाद नवंबर 2022 में दिल्ली के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने एक परिपत्र जारी किया था, जिसमें दिल्ली के अस्पताल में बर्न और प्लास्टिक वार्ड के साथ-साथ प्लास्टिक सर्जन की सुविधा रखने वाले सभी सरकारी अस्पतालों को मुफ्त सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी प्रदान करने का निर्देश दिया गया था। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने आरएमएल अस्पताल के साथ-साथ दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को नोटिस जारी किया है। आयोग ने अस्पताल से शिकायतकर्ता की सर्जरी न करने का कारण पूछा है और साथ ही इसे पूरा करने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण भी मांगा है। इसके अलावा, आयोग ने राज्य और केंद्र सरकार से 2022 के बाद से दिल्ली में सरकारी अस्पतालों द्वारा किए गए एसआरएस की संख्या के बारे में जानकारी मांगी है। आयोग ने उनसे दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में मुफ्त सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण भी देने को कहा है।दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, हमें एक प्रमुख अस्पताल में सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी की अनुपलब्धता के बारे में शिकायत मिली है। सभी सरकारी अस्पतालों में नि:शुल्क सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। दिल्ली महिला आयोग के प्रयासों के बाद दिल्ली सरकार ने दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों को मुफ्त एसआरएस उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। मैंने अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग को नोटिस जारी किया है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ट्रांसजेंडरों को सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी का लाभ मिल सके।

चाकू घोपकर युवक की हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के सरिता विहार थाना इलाके में एक युवक की चाकू घोपकर हत्या कर दी गई। मामले की पुष्टि करते हुए डीसीपी राजेश देव ने बताया की बीती रात करीब 9:45 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। अली बिहार के गली नंबर 9 में 5-6 लड़के बाइक पर आए और घर में घुसकर चाकू मार गए।

अरविंद गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान बाद में उसकी अस्पताल में मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने अलग-अलग धाराओं में एफआईआर दर्ज की।

सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची पूछताछ में पता चला कि अरविंद मंडल जो गली नंबर 9 के एल 45 में रहते हैं। वह शाम के समय बेटे आकाश के साथ स्कूल से लौटे थे। जैसे ही वह काली मंदिर रोड प्रियंका कैंप के पास पहुंचे, तो उनकी मनोज हलदर नाम के शख्स से बहस शुरू हो गई। इनका पुराना कोई मामला चल रहा था, जिसको लेकर पहले भी झगड़ा हो चुका है। मोटरसाइकिल पार्किंग को लेकर कोई विवाद हुआ था। वह मामला उस समय निपट गया और अरविंद घर पहुंच गए।

उसके बाद रात 9:30 बजे 5-6 लड़के मोटरसाइकिल से अरविंद के घर पर पहुंचे और उन पर और उनकी वाइफ रेखा मंडल पर हमला कर दिया। अरविंद गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान बाद में उसकी अस्पताल में मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने अलग-अलग धाराओं में एफआईआर दर्ज की। आगे की छानबीन की तो इस मामले में चार आरोपितों को पुलिस ने पकड़ लिया, जिनकी पहचान राजू पात्रा, रवि उर्फ गोलू और शंभू के रूप में हुई है। इस मामले में विजय और मनोज अभी फरार चल रहा है। यह सभी प्रियंका कैंप के रहने वाले हैं।

शराब के नशे में शनिदेव की मूर्ति क्षतिग्रस्त की, धरा गया

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार इलाके में एक मंदिर में शनिदेव की मूर्ति तोड़ने का का मामला सामने आया है। डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि यह घटना गुप्ता कॉलोनी के जे2 ब्लॉक की है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि यहां के शनि मंदिर की मूर्ति किसी ने पत्थर से तोड़ दी है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल में पुलिस टीम ने टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपित को पकड़ लिया। पुलिस को उससे पूछताछ में पता चला कि वह शराब के नशे में इस वारदात को अंजाम दिया था। उसकी पहचान सर्वेश के रूप में हुई है। वह मौजूदा समय में जे2 ब्लॉक का ही रहने वाला है लेकिन

उत्तर प्रदेश के उन्नाव का मूल निवासी है। शनि मंदिर से आधा किलोमीटर दूरी पर वह रहता है। पुलिस ने इस मामले में अलग-अलग धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है।

चलते ई-रिक्शा में धमाके के बाद लगी आग, एक की मौत, दो घायल

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में चलते ई-रिक्शा में धमाके के बाद आग लग गई। हादसे में ई-रिक्शा में बैठे तीन यात्री बुरी तरह झुलस गये। गंभीर हालत में महिला ओमी देवी (42), उसके पति पुष्पराज (46) और एक अन्य यात्री गौरव (28) को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान ओमी देवी ने दम तोड़ दिया।

नाजुक होने पर पुष्पराज को एम्स ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। अस्पताल में गौरव और पुष्पराज का इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक हादसा ई-रिक्शा की बैटरी फटने की वजह से हुआ। हादसे के बाद पहले चालक मौके से फरार हुआ और बाद में वह घटना स्थल से अपना ई-रिक्शा भी लेकर रफू चक्कर हो गया। नंद नगरी थाना पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। बाद में ई-रिक्शा चालक रतन लाल (52) को मंडोली, हर्ष विहार से गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर जला हुआ ई-रिक्शा भी बरामद कर लिया गया।

क्राइम टीम के अलावा एफएसएल की टीम मामले की छानबीन में जुटी है। पुलिस के मुताबिक ओमी देवी और पुष्पराज अपने परिवार के साथ गली नंबर-13, प्रताप नगर, मंडोली, हर्ष विहार में रहते थे। इनके परिवार में 14 साल का बेटा देव और 20 साल की बेटी तनू है। पुष्पराज का कुरियर का काम है। दंपती ने गंगा स्नान की योजना बनाई। गुरुवार तड़के करीब साढ़े चार बजे दोनों घर से गढ़ गंगा जाने के लिए निकल गए।

मंडोली चुंगी से दोनों शाहदरा जाने के लिए एक ई-रिक्शा में सवार हुए। उसमें पहले से सबोली निवासी गौरव बैठा हुआ था। पीछे तीन सवारी और आगे चालक समेत चार लोग ई-रिक्शा में मौजूद थे। पुलिस को दिए बयान में गौरव ने बताया कि ई-रिक्शा से कुछ जलने की दुर्गंध आ रही थी। गौरव ने चालक का ध्यान भी दिलाने की कोशिश की, लेकिन उसने अनसुना कर दिया।

इस बीच ई-रिक्शा नंद नगरी ईएसआई डिस्पेंसरी के पास पहुंचा तो अचानक उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। धमाका होते ही चालक मौके पर ई-रिक्शा छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने झुलसे हुए ओमी देवी, पुष्पराज और गौरव को जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जहां शुक्रवार ओमी देवी ने दम तोड़ दिया।

हादसे में हताहत होने वाले लोगों को अस्पताल ले जाने के बाद आरोपित ई-रिक्शा चालक रतनलाल अपना जला हुआ ई-रिक्शा लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने छानबीन के बाद उसे मंडोली से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से ई-रिक्शा बरामद कर लिया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

नये संसद भवन में विधायी कामकाज की शुरुआत होगी सोमवार से शुरू हो रहे विशेष सत्र में

नई दिल्ली। सोमवार से शुरू हो रहा संसद का पांच दिवसीय विशेष सत्र ऐतिहासिक होगा जब इस सत्र के दौरान दोनों सदनों की बैठकें आज़ादी के बाद नवनिर्मित संसद के नये भवन में होंगी और वहां से विधायी कामकाज शुरू होगा। इस सत्र के दौरान स्वतंत्रता के बाद से अब तक की संसदीय यात्रा में प्राप्त उपलब्धियों, अनुभवों, संस्मरणों पर चर्चा होगी। लोकसभा सचिवालय द्वारा बुधवार को जारी बुलेटिन में जानकारी दी गयी थी कि संसद के विशेष सत्र में संविधान सभा से लेकर आज तक संसद की 75 वर्षों की यात्रा , उपलब्धियों, अनुभवों, संस्मरणों पर चर्चा होगी तथा चार विधेयक- एडवोकेट संशोधन विधेयक 2023, प्रेस एवं आवधिक पंजीकरण विधेयक 2023, डाकघर विधेयक 2023 तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त, अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्त विधेयक 2023 पारित किया जाना है। पहले दो विधेयक राज्यसभा से पारित एवं लोकसभा में लंबित हैं।

नये संसद भवन में विधायी कामकाज शुरू होने की आधिकारिक सूचना भले ही जारी नहीं की गयी हो लेकिन लोकसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार इसके लिए तैयारियां पूरी हो गयी हैं। अठारह सितंबर को संसद के पुराने भवन में दोनों सदनों की कार्यवाही होगी और उसी दिन देश की संसदीय यात्रा पर चर्चा होगी तथा अगले दिन मंगलवार को गणेश चतुर्थी के दिन गणपति पूजन के पश्चात नये भवन में कामकाज शुरू हो जाएगा ।

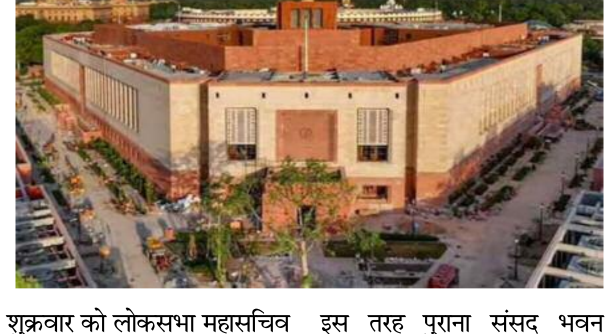

शुक्रवार को लोकसभा महासचिव की अगुवाई में संसदीय कार्यवाहियों की मॉक ड्रिल की गयी और सदन में मतदान आदि की डिजिटल प्रणालियों की जांच की गयी। मौजूदा संसद भवन का शिला- यास 12 फरवरी 1921 में हुआ था। इसका निर्माण कार्य करीब छह वर्षों तक चला था। इस तरह पुराना संसद भवन 1927 में बनकर तैयार हुआ था। इसे जनवरी 1927 में ब्रिटिश शाही विधान परिषद के सदन के रूप में खोला गया था। भारत में ब्रिटिश शासन के अंत के बाद यहां संविधान सभा आसीन हुई और फिर 1950 में भारत का संविधान लागू होने के बाद इसे भारतीय संसद कहा गया।

लगभग एक सदी पुराना संसद भवन देश की राजधानी की सबसे शानदार इमारतों में से एक है। यह विश्व के किसी भी देश में विद्यमान वास्तुकला का एक उत्कृष्ट नमूना है। यह एक विशाल वृत्ताकार भवन है, जिसका व्यास 560 फुट तथा जिसका घेरा 533 मीटर है। यह लगभग छह एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। भवन के 12 दरवाजे हैं, जिनमें से पाँच के सामने द्वार मंडप बने हुए हैं। पहली मंजिल पर खुला बरामदा हल्के पीले रंग के 144 स्तंभों से सुसज्जित है। जिनकी प्रत्येक की ऊँचाई 27 फुट है। इसकी डिजाइन विदेशी वास्तुकारों ने बनायी थी लेकिन इसकी वास्तुकला पर भारतीय परंपराओं की गहरी छाप है।

नया संसद भवन मौजूदा इमारत के मुकाबले बड़ा है। नये संसद भवन का क्षेत्रफल लगभग 17 हजार वर्ग मीटर है। नये संसद भवन का निर्माण कुल 64 हजार 500 वर्ग मीटर भूमि पर किया गया है। यह एक चार मंजिली, पूरी तरह से भूकंप रोधी इमारत है। वर्तमान संसद भवन की लोकसभा में 590 सांसदों के बैठने की जगह है, जबकि नयी इमारत में बनी लोकसभा में 888 सीटें हैं। दर्शक दीर्घा में 336 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। नयी इमारत की राज्य सभा में सदस्यों के बैठने की क्षमता को 280 की बजाय 384 किया गया है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एमबीबीएस को एमबीबीएस, एमडी ही पढ़ायें: एआईपीसीएमए

नई दिल्ली। ऑल इंडिया प्री एंड पैरा क्लीनिकल मेडिकोज एसोसिएशन (एआईपीसीएमए) ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आयुर्विज्ञान तथा शल्य-चिकित्सा स्नातक (एमबीबीएस) और डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) उत्तीर्ण चिकित्सकों को ही इससे संबंधित छात्रों को पढ़ाना चाहिए।

एसोसिएशन ने शनिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। इस अवसर पर एआईपीसीएमए के अध्यक्ष डॉ अभिनव पुरोहित ने कहा कि अन्य प्रोफेशनल संस्थानों की डिग्री जैसे एलएलबी, बीटेक, पशुचिकित्सा, आयुर्वेद, होम्योपैथी, नर्सिंग और फार्मेसी संस्थानों की भांति मेडिकल कॉलेज में शिक्षक बनने के लिए भी मान्यता प्राप्त एवं पंजीकृत डिग्री (एमबीबीएस) अनिवार्य होने के नियम को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।

मोदी ने सिंगापुर के पूर्व प्रधानमंत्री ली कुआन यू की 100वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ने सिंगापुर के पूर्व प्रधानमंत्री ली कुआन यू को उनकी 100वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आज पोस्ट किये अपने संदेश में लिखा , महान ली कुआन यू को उनकी 100वीं जयंती के विशेष अवसर पर मेरी श्रद्धांजलि। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने सिंगापुर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी दूरदर्शिता और उत्कृष्टता की निरंतर खोज उनकी महानता का प्रमाण है। उनका काम दुनिया भर के नेताओं को प्रेरित करता है।

पोषण माह में अभी तक छह करोड़ गतिविधियां

नई दिल्ली। छठे राष्ट्रीय पोषण माह के पहले 12 दिनों में देश भर में जन आंदोलन डैशबोर्ड पर छह करोड़ से अधिक गतिविधियां पंजीकृत हुई हैं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने यहां बताया कि इस दौरान 'विशेष स्तनपान और पूरक आहार' विषय पर एक करोड़ से अधिक गतिविधियां आयोजित गईं। मार्च 2018 में पोषण अभियान की शुरुआत के बाद से, देश ने पहली बार पोषण पर केंद्रित राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन शुरू किया है। इसमें विशेष विशिष्ट लाभार्थियों, अर्थात् गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोर लड़कियों और छह वर्ष तक की उम्र के बच्चों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। छठा राष्ट्रीय पोषण माह के पहले 12 दिनों में, देश भर में जन आंदोलन डैशबोर्ड पर छह करोड़ से अधिक गतिविधियां दर्ज की गई हैं। एक माह तक चलने वाले इस आयोजन के दौरान, विभिन्न पक्ष जमीनी स्तर पर पोषण परिणामों को बेहतर बनाने और व्यवहार में बदलाव को प्रोत्साहित करने के लिए सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

सरकारी चिकित्सा विज्ञान संस्थान में आयोजित विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह, 2023 का समापन

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। जीवन बचाने में करुणा, सहानुभूति और सक्रिय हस्तक्षेप के महत्व पर जोर देते हुए, सरकारी चिकित्सा विज्ञान संस्थान में आयोजित विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह, 2023 का समापन हो गया। इस वर्ष की थीम "कार्रवाई के माध्यम से आशा पैदा करना" के साथ सप्ताह का आयोजन जीआईएमएस के मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ किरण जाखड़ द्वारा किया गया था और इसमें छात्रों के साथ-साथ जीआईएमएस के संकायों की सक्रिय भागीदारी प्राप्त हुई थी। 10 सितंबर से 16 सितंबर के बीच पूरे सप्ताह विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

कार्यक्रम के पहले दिन फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट इंटर्न के लिए आयोजित क्विज में पुष्पांजलि यादव और प्रेरणा शर्मा ने पहला स्थान हासिल किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन उत्साही छात्रों ने अपने रचनात्मक पोस्टरों और नारों के साथ आत्महत्या की रोकथाम के बारे में प्रचार-प्रसार किया। अदीब अहमद और वसीम खान ने क्रमशः पोस्टर मेकिंग और नारा लेखन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जीआईएमएस की प्रथम वर्ष की मेडिकल छात्रा राशि शर्मा को तनाव और आत्महत्या की रोकथाम पर फाउंडेशन डे कोर्स के तीसरे दिन आयोजित सर्वश्रेष्ठ टॉक के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। चौथा दिन छात्रों को अपने विचार, अपने अनुभव साझा करने और मेडिकल छात्रों के रूप में जागरूकता फैलाने में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जीआईएमएस के लड़कों और लड़कियों के छात्रावास में आयोजित समूह चर्चा के लिए समर्पित था। बेस्ट टॉक इन हॉस्टल के लिए जीआईएमएस गर्ल्स हॉस्टल से पर्व गुप्ता और जीआईएमएस बॉयज हॉस्टल से यश सिद्धार्थ ने पहला स्थान हासिल किया। कार्यक्रम के पांचवें दिन, जीआईएमएस के मनोचिकित्सा विभाग के सीनियर रेजिडेंट डॉ. अभय तोमर ने जीआईएमएस में नर्सिंग छात्रों के लिए आत्महत्या की रोकथाम पर चर्चा की। नर्सिंग विद्यार्थियों में प्रिया पांडे को सर्वश्रेष्ठ टॉक के लिए प्रथम पुरस्कार मिला।मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना, कलंक को कम करना और कल्याण को बढ़ावा देने और आत्महत्या से जीवन की दुखद हानि को रोकने के लिए संसाधन प्रदान करना आवश्यक है। इस मुद्दे के समाधान के लिए खुली बातचीत, बढ़ी हुई जागरूकता और मानसिक स्वास्थ्य सहायता तक पहुंच महत्वपूर्ण है। डॉ. (ब्रिगेडियर) राकेश गुप्ता ने पूरे कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया और डॉक्टरों और संकाय सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय रुचि दिखाई।

संक्षिप्त डायरी

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्र ओम शर्मा को माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन से 51 लाख का प्री प्लेसमेंट ऑफर हुआ प्राप्त

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ओम शर्मा बीटेक आई टी के छात्र हैं ' विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रविन्द्र कुमार सिन्हा एवम्‌ कुलसचिव डॉ विश्वास त्रिपाठी ने उन्हें बधाई एवं उनके सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी ' ओम शर्मा अलीगढ के निवासी है ' उनके पिता श्री संजीव कुमार शर्मा गणित के प्राध्यापक है। ओम शर्मा ने गुगल डेवलपर स्टूडेंट्स क्लब की कार्यशाला व अन्य कई कार्यशालाओ का आयोजन कराया ' ओम ने इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय के सभी अध्यापकों को धन्यवाद दिया।

गौतम बुद्ध नगर में ट्रक ने बाइक को मारी टक्करः मणिपुर के छात्र की मौके पर मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा । एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो छात्रों को टक्कर मार दी। यह हादसा इतना जबरदस्त था कि एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है। रात करीब 2:30 बजे बीटा 2 थाना क्षेत्र के P-3 गोल चक्कर पर बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार दो छात्रों को कासना की तरफ से आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी जबरदस्ती की एक छात्र ट्रक के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान ट्रक चालक ट्रक को छोड़कर मौके से फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। तत्काल प्रभाव से पुलिस मौके पर पहुंची और घटना में घायल हुई युवक को अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी करने पर पता चला कि मृतक युवक का नाम रोहित (20) था ,जोकि मणिपुर के रहने वाला था। मृतक छात्र शारदा यूनिवर्सिटी में बीए का छात्र था। घायल युवक का नाम अवितनाशल है वह भी मणिपुर के रहने वाला है। घायल युवक शारदा यूनिवर्सिटी में बीटेक का छात्र है। पुलिस के द्वारा घटना में घायल हुई युवक को अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां पर छात्र का इलाज चल रहा है। पुलिस के द्वारा इस पूरी घटना की जानकारी शारदा यूनिवर्सिटी के प्रबंधन और दोनों छात्रों के परिजनों को दे दी गई। बीटा 2 थाना प्रभारी विनोद मिश्रा ने बताया कि सड़क हादसे में एक छात्र की मौत हो गई है। दूसरा घायल हुआ है। ट्रक चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया है। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नौकरी का झांसा देकर रेप करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नोएडा । थाना फेस टू पुलिस ने एक युक्ति के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। युवक पर आरोप है कि उसने युवती को नौकरी दिलाने के बहाने बुलाया। इसके बाद उसे कोल्ड ड्रिंक पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। युवती की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फेस टू थाना पुलिस को एक युवती ने शुक्रवार को सूचना दी कि उसके साथ में एक युवक ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। युवती ने बताया कि आरोपी ने उसको नौकरी दिलाने के बहाने बुलंदशहर से फेस 2 के एनएसईजेड बुलाया। यहां पर बुलाने के गाड़ी में बिठाकर परीचौक ले गया। उसके बाद कोल्ड ड्रिंक पिलाने और ऑफिस दिलाने के बहाने एक कमरे में अंदर ले जाकर रेप की वारदात को अंजाम दिया। सूचना प्राप्त होने पर थाना फेस-2 पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज की और लोकल इंटेलिजेंस व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से रेप के आरोपी सोनू उर्फ फजर को चेतन्या बिल्डिंग के पास भंगेल से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मूलरूप से बागपत का रहने वाला है, फिलहाल थाना क्षेत्र के सलारपुर में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है। इस मामले में थाना फेस टू प्रभारी ने बताया कि एक युवती के द्वारा दुष्कर्म की शिकायत की गई थी। युवती की शिकायत पर तत्काल प्रभाव से मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

नोएडा लिफ्ट एक्सीडेंट में हुई पहली गिरफ्तारीः गिरधारी लाल कंस्ट्रक्शन का जीएम अरेस्ट

ग्रेटर नोएडा। वेस्ट में हुए दर्दनाक हादसे के मामले में पुलिस ने पहली गिरफ्तारी की है। थाना बिसरख पुलिस ने आम्रपाली ड्रीम वैली की निमार्णाधीन सोसायटी में हुयी लिफ्ट गिरने की घटना के मामले में गिरधारी लाल कन्ट्रेक्शन प्रा.लि. के जीएम को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि इस हादसे में अब तक आठ लोगों की जा जा चुकी है। इस हादसे को लेकर थाना बिसरख पुलिस द्वारा 9 नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमे में नामजद देवेन्द्र सिंह उर्फ देवेन्द्र शर्मा को उसके निवास स्थान से विला नं0-48, हेरीटेज फ्लोर एण्ड विलाज जलपुरा, थाना ईकोटेक-3, गौतमबुद्धनगर को दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। देवेन्द्र सिंह उर्फ देवेन्द्र शर्मा को बाद गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। घटना के लेकर हुई विवेचना के दौरान ज्ञात हुआ कि गिरफ्तार व्यक्ति गिरधारी लाल कन्ट्रेक्शन प्रा0लि0 कम्पनी का जीएम के पद कार्यरत है तथा थाना बिसरख क्षेत्र में निमार्णाधीन प्रोजेक्ट पर बन रहे टावर सी-12 की देखरेख की पूरी जिम्मेदारी इसकी थी। कार्य कर रहे मजदूरों की पैसेन्जर लिफ्ट को इनके द्वारा सही समय पर ठीक नहीं कराया गया जबकि पूर्व में मजदूरों व ठेकेदारों द्वारा लिफ्ट गड़बड़ करने के सम्बन्ध में इसकी सूचना दी गयी थी। फिर भी इसके द्वारा लिफ्ट का लगातार बारिश होने पर भी संचालन करवाते रहे। जिससे यह बड़ी घटना घटित हुयी है। गौरतलब है शुक्रवार को आम्रपाली ड्रीम वेली प्रोजेक्ट में सुबह समय करीब 9 बजे कन्ट्रेक्शन साईट टेकजोन-4 में सी ब्लाक के टावर नं0 12 पर 14वीं मजिल से पैसेन्जर लिफ्ट गिर गई थी।

सीमा हैदर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मनाया जन्मदिनः लंबी उम्र की कामना की

ग्रेटर नोएडा। सीमा हैदर ने अपने पति सचिन मीणा के साथ रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मनाया है। इस दौरान उन्होंने केक काटकर परिवार के लोगों के साथ एक दूसरे को मिठाई भी खिलाई है। साथ ही उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री के फोटो के सामने केक काटकर उनकी लंबी उम्र भी कामना की है। आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। देश भर में उनके कार्यकताओं द्वारा जश्न भी मनाया जा रहा है। उसी के तहत सीमा हैदर ने भी अपने पति सीमा हैदर और बच्चों के साथ उनके फोटो के सामने केक काटकर जन्मदिन मनाया है। सीमा द्वारा के काटने का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट से वायरल भी किया गया है। वायरल वीडियो में सीमा ने जय श्री राम से शुरूआत की है। वीडियो में सीमा ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के वकील और उनके भाई एपी सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के लिए जो बड़े कार्य किए गए हैं। उनके बारे में उनको आज फोन पर बताया है। जिसके चलते उन्होंने प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाया है। सीमा ने कहा है कि नरेंद्र मोदी का नाम पूरे विदेश में लिया जाता है। जिनके कम से वह काफी प्रभावित है। जिसने अपने पति और बच्चों के साथ आज उनका जन्मदिन मना कर खुशी मनाई है। साथी उनकी लंबी उम्र की भी भगवान से प्रार्थना की है। बता दें कि सीमा हैदर पबजी गेम के जरिए सचिन से संपर्क कर नेपाली के रास्ते पाकिस्तान भारत आई है। जो अपने चार बच्चों को भी साथ लेकर आई थी। जिसकी जानकारी जांच एजेंसी और पुलिस को लगी तो उसको गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में तीन दिन बाद उसकी जमानत पर छोड़ दिया गया है। जिसके बाद से ही वह अपने प्रेमी सचिन मीणा के साथ उसके घर पर रह रही है। जहां पर रहकर वह हिंदू धर्म के सभी त्योहारों को परंपरागत तरीके से मना रही है। सीमा का कहना है कि भारत में आकर उसको बहुत प्यार मिला है। जिसको लेकर उसकी काफी खुशी है।

आईपीएल की तर्ज पर आ रहा है 'उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग' : नोएडा मीडिया क्लब में हुई घोषणा

संवाददाता

नोएडा। आईपीएल की तर्ज पर यूपी के युवा खिलाड़ियों को एक्सपोजर देने के लिए "उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग" की शुरूआत की गई है। रविवार को नोएडा मीडिया क्लब में पत्रकारों को संबोधित करते हुए यूपीकेएल के पदाधिकारियों ने इसकी घोषणा की।

यूपीकेएल के रूप में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए एक नया स्पोर्ट्स प्लेटफार्म खड़ा करने का लक्ष्य रखा है। इसी के तहत 1 एक्स स्पोर्ट्ज और यूपी कबड्डी एसोसिएशन के साझा आयोजन "उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग" की घोषणा की गई है। 1 एक्स स्पोर्ट्ज के फाउंडर संभव जैन ने बताया कि यूपीकेएल में यूपी के स्थापित खिलाड़ियों के साथ-साथ नए और प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों को भी मौका दिया जाएगा।

टूनामेंट में कुल 60 मैच होंगे, जिनमें नोएडा निंजा, गंगा वारियर्स और बुंदेलखंड रॉयल्स समेत यूपी के आठ अलग-अलग क्षेत्रों की टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों का गठन आईपीएल की तर्ज पर ही किया गया है और इनमें खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया भी तकरीबन वैसी ही होगी। कई टीमों में प्रो कबड्डी के खिलाड़ी भी ताल ठोकते नजर आएंगे।

उत्तर प्रदेश कबड्डी एसोसिएशन के महा सचिव राजेश कुमार सिंह का कहना है कि यूपी जनसंख्या के लिहाज से एक बड़ा प्रदेश है और इससे विभिन्न खेलों के बहुत से खिलाड़ी निकले हुए हैं, लेकिन दूर दराज के गांवों और कस्बों में रहने वाले युवाओं को अवसर न मिल पाना एक बड़ी समस्या है। हमारी कोशिश होगी कि इस कमी को दूर किया जाए क्योंकि हमारा मकसद ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रमोट करना और उन्हें आगे बढ़ाना है। इससे खिलाड़ियों में मोटिवेशन बढ़ेगा और उन्हें आर्थिक रूप से भी सशक्त होने का भी अवसर मिलेगा। एमेच्योर कबड्डी फेडरैशन ऑफ इंडिया के जॉइन्ट सेक्रेटरी कुमार विजय सिंह, यूपीकेएल के ब्रांड अम्बेसडर और इंटरनेशनल कबड्डी एण्ड प्रो कबड्डी प्लेयर राहुल चौधरी ने भी पुरजोर तरीके से अपनी बात रखी और कबड्डी प्रतियोगिता को आगे बढ़ाने का आश्वाशन दिया। 1 एक्स स्पोट्ज के मार्केटिंग डायरेक्टर अमन सक्सेना ने कहा कि खिलाड़ियों के चयन का काम जोरों पर है, ब्रॉडकास्ट के लिए भी बात चल रही है साथ ही कब से इस कबड्डी प्रतियोगिता की शुरूआत होगी तारीख की घोषणा भी जल्द करेंगे।

श्री रामलीला मंचन 2023 की रिहलसल की तैयारिया की शुभारंभ किया गया

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। रामलीला, भारत का सबसे प्रसिद्ध नाट्य अनुभव है !रामलीला भगवान श्री राम* की कहानी का नाट्य मंचन है । रामलीला में श्री राम के जीवन को नाटकों की एक श्रृंखला के रूप में दिखाया जाता है। श्री राम के जीवन की यह कहानी रावण पर उनकी जीत और अपने राज्य में उनकी वापसी को चिह्नित करने के लिए बनाई गई है। दस दिनों में राम के पूरे जीवन कहानी को सुंदर चित्रण से प्रस्तुत किया जाता है। दसवें दिन को दशहरा (विजय दशमी) के रूप में मनाया जाता है - विजय का दिन जब राम ने राक्षस राजा रावण को हराया था। इन सभी दृश्यों का सुंदर मंचन धरोहर परिवार की प्रस्तुति - प्रभु श्रीरामलीला महोत्सव - 2023 द्वारा किया जाता है !धरोहर परिवार द्वारा इंदिरापुरम क्षेत्र में सबसे पहले प्रभु श्रीरामलीला महोत्सव -की शुरूआत की गई थी और बहुत ही कम समय में इसने गाजियाबाद - दिल्ली - एनसीआर में पसंदीदा उत्तराखण्डी रामलीला मंचन के रूप में अपनी पहचान हासिल की है। जिसकी विशेषता है संगीतमय चौपाइयां,दोहे,रागनी,गीत,और बेहतरीन संवाद, और सुंदर सिंगार एवम पोशाक तथा मंच की शोभा तो देखते ही बनती है! जो मंचन को बहुत सुंदर बनाती हैं !समिति अपनी स्थापना के समय से ही पहले माँ चामुंडा मंदिर परिसर (अभय खण्ड) और अब विगत कई वर्षो से प्राचीन शिव मंदिर (न्याय खण्ड -1) में श्री रामलीला मंचन का सफल आयोजन करने जा रही है।रामलीला समिति का संचालन धरोहर की कार्यकारिणी के नेतृत्व में एवं गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकताओं, प्रमुख नागरिकों,और अन्य विद्वान व्यक्तियों द्वारा किया जाता है। और कुशल निर्देशक के निर्देशन में सभी कलाकार अपना सुंदर अभिनय करते है ! तथा बच्चों द्वारा सुंदर नृत्य - नाटिकाओं का प्रस्तुतिकरण पुरे मंचन को शानदार बनाता है! समिति का कोई भी सदस्य, एवम कलाकार व्यावसायिक रूप से जुड़ा नहीं है और केवल समिति के साथ 'सेवा भावना' के रूप में काम करते है।और दो महीने की कड़ी मेहनत (रिहर्सल) के बाद अपने अभिनय को मंच पर प्रस्तुत कर! अपने इस विशाल आयोजन को एक सुंदर मुकाम तक पहुंचा रहे हैं...तथा समाज मे एक आदर्श प्रस्तुत कर रहे है।

डॉक्टर अरुणवीर सिंह ने मोटो जीपी इंटरनेशनल रेस के दृष्टिगत, क्षेत्र में साफ सफाई, मरम्मत व विकास कार्यों की समीक्षा की

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण : दिनांक 16 सितंबर, 2023 को यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरुणवीर सिंह द्वारा दिनांक 22 से 24 सितंबर 2023 में यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 25 में स्थित बुद्धा इंटरनेशनल सर्किट मैं आयोजित मोटो जीपी इंटरनेशनल रेस के दृष्टिगत प्राधिकरण क्षेत्र मैं किए जा रहे हैं साफ सफाई, मरम्मत व विकास कार्यों की समीक्षा अधिकारियों के साथ साइट पर जाकर की गई। सर्वप्रथम प्राधिकरण के एंट्री प्वाइंट व नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से पहले सेंटर वर्ज पर हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट द्वारा किए जा रहे कार्यों का परीक्षण किया गया। तत्पश्चात गलगोटिया यूनिवर्सिटी के समीप अंडर पास, सेक्टर 22डी अंडर पास, सेक्टर 22 ई कट, सेक्टर 18 और 20 का मुख्य मार्ग सेक्टर 17ए का मार्ग, बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के सभी संपर्क मार्गो का स्वयं निरीक्षण किया गया। निरीक्षणों उपरान्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा प्राधिकरण के हॉर्टिकल्चर विभाग द्वारा किए जा रहे हैं कार्यों मैं गति लाने के निर्देश दिए गए। प्राधिकरण के जीरो पॉइंट से सेक्टर 20 तक के सभी सेंटर वर्ज की मरम्मत, रंगाई पुताई, तार फेंसिंग, फूलों के पौधे लगाने आदि के संबंध में श्री आनंद मोहन सिंह, डिप्टी डायरेक्टर हॉर्टिकल्चर को निर्देशित किया गया। साथ ही साथ इन्हें यह भी निर्देशित किया गया है कि सेक्टर 20 तक आने वाले सभी अंडर पास में पेन्टिंग, रंगाई पुताई व ब्यूटिफिकेशन का कार्य प्रत्येक दशा में दो कार्य दिवस में पूर्ण करवाएं। महाप्रबंधक परियोजना श्री ए के सिंह को निर्देशित किया गया की इस क्षेत्र में पड़ने वाले सभी 20 मीटर, 30 मीटर, 45 मीटर व 100 मीटर के सभी मार्गों में साफ सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, सभी मार्गों का दुरस्तीकरण किया जाए, बारिश के मौशम को देखते हुए पानी की निकासी व वाटर ब्लॉकिंग को दूर किया जाये, मार्ग में पड़ने वाले सभी झाड़े व पेड़ पौधों की कटाई छटाई और सफाई करवाई जाए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा प्राधिकरण क्षेत्र में बिजली की व्यवस्था देख रहे विशेष कार्याधिकारी श्री महराम सिंह, वरीष्ठ प्रबंधक श्री बीपी सिंह, श्री अर्शद वह श्री राजवीर सिंह को निर्देशित किया गया कि सभी संपर्क मार्गो व मुख्य मार्गों पर बिजली की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए, यदि कहीं पर एलईडी या अन्य लाइट लगवाई जानें आवश्यक हो तो, उस काम को पूर्ण प्राथमिकता पर किया जाए। पूरे आयोजन के दौरान सभी मार्गों व संपर्क मार्गो, सर्विस रोड आदि पर बिजली की कोई भी समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। यह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का आयोजन है तथा इस आयोजन में प्राधिकरण के अधिकारियों किसी भी प्रकार की कोई स्थिलता ना बरतें। उपरोक्त सभी कार्यों को पूर्ण करने के लिए सभी विभागों को 2 दिन का समय दिया गया है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा सोमवार सुबह पुनः क्षेत्र का दौरा कर दिए गए निदेर्शों के क्रम में पूर्ण कराए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा किए गए इस साइट विजिट में उनके साथ कपिल सिंह, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, शैलेन्द्र भाटिया, विशेष कार्याधिकारी सहित प्राधिकरण के परियोजना, हार्टिकल्चर, व बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

पिछले 100 घंटे से जारी हैं सेना के ऑपरेशन, ड्रोन का हो रहा इस्तेमाल

अनंतनाग । जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग जिले के गडोले वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों का सफाया करने का अभियान पांचवें दिन रविवार को भी जारी है, सुरक्षा बलों ने आस-पास के गांवों तक अभियान का दायरा बढ़ाकर वन क्षेत्र में मोर्टार के कई गोले दाग दिए है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल घने वन क्षेत्र में ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए तलाश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह अभियान प्रारंभ होते ही सुरक्षा बलों ने जंगल की ओर मोर्टार के कई गोले दागे। अधिकारियों ने बताया कि वन क्षेत्र में कई गुफानुमा ठिकाने हैं। आतंकवादियों पर हमला करने के लिए उनके सटीक ठिकाने का पता लगाने के वास्ते ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। ड्रोन से प्राप्त फुटेज में शुक्रवार को सुरक्षा बलों द्वारा एक ठिकाने पर गोले दागे जाने के बाद एक आतंकवादी भागते हुए दिखाई दिया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी आवासीय इलाकों में न घुस पाएं, यह सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर पड़ोसी पोश क्रेरी इलाके तक सुरक्षा को बढ़ाया गया है। सैन्य अधिकारियों ने लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को उच्च प्राथमिकता वाले अभियानों के बारे में जानकारी दी, जिसमें बलों द्वारा उच्च प्रौद्योगिकी वाले साजो सामान का उपयोग किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने उस ड्रोन की भी मुआयना किया जिसकी मदद क्षेत्र और आतंकवादियों के संबंध में जानकारी लेने के लिए ली जा रही है। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने पुलिस और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अभियान की समीक्षा की। उन्होंने अभियान में तैनात सैनिकों के साथ भी बातचीत की। पुलिस का मानना है कि दो से तीन आतंकवादी वन क्षेत्र में मौजूद हैं।

दस घंटे देरी से चली एअर इंडिया की मुंबई-लखनऊ उड़ान, सहना पड़ा विरोध

नई दिल्ली । एअर इंडिया की मुंबई से लखनऊ जाने वाली उड़ान 10 घंटे की देरी से शुरू होने के समाचार हैं। इसके बाद यात्रियों ने विरोध करते हुए जोरदार हंगामा भी किया। मिली जानकारी के अनुसार यात्रियों ने टाटा समूह के मालिकाना हक वाली एयरलाइन के खिलाफ प्रदर्शन किए और नारेबाजी की। एक सूत्र ने बताया कि एअर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान एआईएक्स-2773 को शनिवार रात 11 बजकर 19 मिनट पर मुंबई से उड़ान भरनी थी, लेकिन एयरलाइन ने अंतिम क्षण में यात्रियों को सूचित किया कि विमान के उड़ान भरने का समय बदलकर रविवार सुबह सवा सात बजे कर दिया गया है। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने देर शाम एक बयान में कहा कि उसे आज शाम दिल्ली में खराब मौसम के कारण अपनी उड़ान के समय में परिवर्तन करना पड़ा। एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि आज शाम दिल्ली में खराब मौसम रहने के कारण कई उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है जिनमें हमारी गुवाहाटी-दिल्ली उड़ान भी शामिल है, जिसका मार्ग परिवर्तित कर लखनऊ कर दिया गया है। इसके कारण दिल्ली तथा मुंबई से उड़ान भरने वाले विमानों के संचालन के समय में भी परिवर्तन किया गया है। उसने बताया कि प्रभावित यात्रियों के लिए भोजन, उन्हें ठहराने तथा उनके परिवहन की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।

खेतवाड़ी में विराजेंगे महाराष्ट्र के सबसे ऊंचे 45 फीट के गणपति

मुंबई (ईएमएस)। दक्षिण मुंबई के खेतवाड़ी इलाके में सबसे ऊंचे 45 फुट के भगवान गणेश विराजमान होने जा रहे हैं। इन दिनों यह मूर्ति आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस वर्ष, यह सबसे ऊंचे 'बप्पा गिरगांव में खेतवाड़ी की ' 11वीं लेन (गली) में स्थापित किए गए हैं और 19 सितंबर से शुरू होने वाले 10 दिवसीय उत्सव के दौरान भक्तों को आकर्षित करने के लिए तैयार हैं।' बप्पा की विशाल मूर्ति भगवान इंद्र के अवतार में तैयार की गई है, जिसमें भगवान ने एक हाथ में 'वज्र पकड़ा हुआ है। खेतवाड़ी में गणपति स्थापित करने की शुरुआत मंडल ने 1962 से की थी और मंडल भक्तों का ध्यान आकर्षित करने के लिए पिछले कुछ वर्षों से सबसे अनोखी मूर्ति स्थापित करता आ रहा है। यहां के गणपति 'मुंबईचा महाराजा के नाम से मशहूर हैं। खेतवाड़ी 11वीं लेन गणपति मंडल के अध्यक्ष हेमंत दीक्षित ने कहा ?कि वर्ष 1999 में 25 फुट की मूर्ति स्थापित की गई थी, जिसके बाद हर वर्ष मूर्ति का आकार बढ़ाना तय किया गया। इस साल महाराष्ट्र की सबसे ऊंची 45 फुट की गणपति प्रतिमा स्थापित की गई है। कलाकार कुणाल पाटिल इस मूर्ति को जून से बना रहे हैं, जबकि इसकी योजना छह महीने पहले ही शुरू कर दी गई थी।

24 से ज्यादा हत्या, लूट के आरोपी को तमिलनाडु पुलिस ने किया एनकाउंटर

चेन्नई । तमिलनाडु के कांचीपुरम में 24 से ज्यादा हत्या, लूट, और जबरन वसूली के मामले में नामजद अपराधी को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। 35 साल का चर्चित अपराधी विश्वनाथन को पुलिस ने ग्रेड क्रिमिनल की श्रेणी में रखा था। रिपोर्ट के मुताबिक विश्वनाथन के खिलाफ श्रीपेरंबुदूर, पुझल, ओरागदम और मणिमंगलम पुलिस स्टेशनों में तीन हत्याओं, स्क्रैप उद्योग मालिकों का अपहरण, जबरन वसूली, और उनसे पैसे मांगने सहित 24 मामले दर्ज थे। पुलिस ने दावा किया कि टीम ने विश्वनाथन को घेर लिया और जैसे ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने की कोशिश की उसने चाकू निकाला और दो पुलिसकर्मियों को घायल कर दिया। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई जिसके बाद आरोपी बुरी तरह घायल हो गया। विश्वनाथन को सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां मृत घोषित कर दिया गया। घायल पुलिसकर्मी राजेश और वासु को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। घायल पुलिसकर्मियों से मुलाकात करने पहुंचे एडीजीपी अरुण ने कहा कि राज्य में गुंडागर्दी पर अंकुश लगाने के लिए सभी उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वनाथन ए श्रेणी का बदमाश था। जब एक टीम ने हत्या की जांच के लिए आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, तब उसने पुलिस टीम पर हमला कर दिया, जवाब में पुलिस को भी गोलियां चलानी पड़ीं।

धमपुर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर शहीद कैप्टन तुषार महाजने हुआ

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर शहीद कैप्टन तुषार महाजन कर दिया गया है। रेलवे स्टेशन का बोर्ड भी बदला गया है। इस मौके पर तुषार महाजन के बचपन का एक निबंध फिर चर्चा का विषय बन रहा है। उनके दोस्त आज उनका स्कूल में लिखा गया निबंध याद कर कहते हैं कि उस उम्र में कई बच्चे जानते भी नहीं थे कि आतंकवादी क्या होते हैं। लेकिन तुषार ने बचपन से ही सेना में जाकर आतंकियों से लोहा लेने का मन बना लिया था। तुषार के बचपन के दोस्त सुशांत ने बताया था कि जब कक्षा में निबंध लिखने को कहा गया, तब उन्होंने अपना लक्ष्य बता दिया। उन्होंने लिखा कि वह सेना में भर्ती होकर आतंकियों का खात्मा करना चाहते हैं। 16 साल की उम्र में ही उनका चयन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में हो गया था। कहा जाता है कि कैप्टन तुषार के मां-बाप उन्हें इतनी कम उम्र में खुद से दूर नहीं करना चाहते थे लेकिन वे उनकी राष्ट्रभक्ति के आगे विवश हो गए और फिर उन्हें रोकना ठीक नहीं समझा। कैप्टन तुषार महाजन 9 पैरा के अधिकारी थे। साल 2016 में पुलवामा में उद्यमिता विकास संस्थान पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया था। इसमें कैप्टन तुषार और उनके साथियों ने मोर्चा संभाला। कैप्टन तुषार ने एक आतंकवादी को ढेर किया। लेकिन साथी जवानों की रक्षा करने के दौरान उन्हें चार गोलियां लग गईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन ज्यादा खून निकल जाने के वजह से बचाया नहीं जा सका। बता दें कि तुषार के पिता रिटायर्ड स्कूल प्रिंसिपल हैं। इस पल को देखकर वह फिर भावुक हो गए और उन्होंने कहा कि अब हर शख्स देखेगा कि तुषार कौन था। उन्होंने कहा कि पूरे उधमपुर वासियों की मांग थी कि रेलवे स्टेशन का नाम तुषार के नाम पर रखा जाए। यह युवाओं के लिए प्रेरणा के तौर पर काम करेगा।

उत्तर रेलवे ने 3 साल में चूहों को पकड़ने में खर्च किए 69 लाख रुपये

लखनऊ । उत्तर रेलवे की लखनऊ डिवीजन ने चूहों को पकड़ने के लिए 3 साल में 69 लाख रुपये खर्च किए हैं। इसके बावजूद चूहों के आतंक से मुक्ति नहीं मिली है। चूहों के वजह से सिग्नलिंग सिस्टम में भी नुकसान हो रहा है। चारबाग रेलवे स्टेशन पर भी चूहों का आतंक है। लखनऊ मंडल की ओर से मेसर्स सेंट्रल वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन को चूहों को पकड़ने की जिम्मेदारी दी गई है। अब स्टेशनों पर कंपनी के कर्मचारियों की मदद से चूहों को पकड़ा जाएगा। उत्तर रेलवे की लखनऊ डिवीजन ने आरटीआई का जवाब देकर बताया है कि 168 चूहों को पकड़ने के लिए 3 साल में 69 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

खड़गे की हुंकार, ये आराम करने का समय नहीं, 2024 में भाजना को सत्ता से बाहर करना हमारा लक्ष्य

– हमें अपने निजी हितों को अलग रखकर पार्टी के बारे में सोचना चाहिए

हैदराबाद(एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि ये लोकतंत्र के अस्तित्व की चिंता हैं और हमारा लक्ष्य 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना होना चाहिए जब महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 साल पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी जी को सबसे उचित श्रद्धांजलि 2024 में भाजपा को सत्ता से बाहर करना होगा। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के दूसरे दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने कहा, हम सभी आगे आने वाली चुनौतियों से अवगत हैं। ये चुनौतियां सिर्फ कांग्रेस की नहीं हैं, बल्कि ये भारतीय लोकतंत्र के अस्तित्व और भारतीय संविधान के संरक्षण की चिंता को लेकर हैं।

खड़गे ने कहा कि महाराष्ट्र के मुंबई में इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक के दौरान सरकार ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर एक समिति बनाई। उन्होंने आरोप लगाया, अपने एजेंडे के लिए, उन्होंने सभी परंपराएं तोड़ दीं और पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद को समिति का अध्यक्ष बनाया। उन्होंने कहा कि यह मोदी सरकार उस कदम उठाने के लिए जानी जाती है जिसका कोई मतलब नहीं होता।

हमारा लक्ष्य 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराना और देश में एक वैकल्पिक सरकार बनाने के लिए परिश्रमपूर्वक काम करना होना चाहिए। अगले साल कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में महात्मा गांधी के चुने जाने की शताब्दी भी है और 2024 में भाजपा को सत्ता से बाहर करना बापू को सबसे उपयुक्त श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण लोकसभा चुनावों से पहले, इस साल के अंत में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। इसलिए पार्टी को इन सभी राज्यों और जम्मू-कश्मीर में संभावित विधानसभा चुनावों के लिए भी तैयार रहना चाहिए। खड़गे ने छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यों पर प्रकाश डालकर कहा कि दोनों राज्य सरकारों ने सामाजिक न्याय और कल्याणवाद का एक नया मॉडल पेश किया है। उन्होंने कहा, हमें इन कल्याणकारी योजनाओं का पूरे देश में प्रचार करना चाहिए। उन्होंने सीडब्ल्यूसी में मौजूद प्रदेश अध्यक्षों और विधायक दल के नेताओं से भी पूछा कि क्या उन्होंने ब्लॉक और जिला स्तर पर अपनी समितियां तैयार कर ली हैं और क्या वे नियमित अंतराल पर कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और क्या उन्होंने संभावित उम्मीदवारों की पहचान करनी शुरू कर दी है। उन्होंने पार्टी नेताओं को चेतावनी देकर कहा कि यह हमारे लिए आराम करने का समय नहीं है।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार के शासन के तहत पिछले 10 वर्षों में, लोगों के सामने चुनौतियां कई गुना बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) गरीबों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं की चिंताओं को संबोधित करने से इनकार करते हैं और इसकी बजाय, वह खुद से परे नहीं देख सकते हैं, इसतरह के हालात में हम मूकदर्शक बने नहीं रह सकते। हमें अपने लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट होकर इस तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में पार्टी की जीत पर भी प्रकाश डालकर कहा कि लोग एक विकल्प की तलाश में हैं और दोनों राज्यों के विधानसभा चुनावों में हमारी जीत इसका स्पष्ट प्रमाण है। खड़गे ने कहा, हमें व्यक्तिगत हितों को किनारे रखकर अथक परिश्रम करना चाहिए। हमें अपने व्यक्तिगत मतभेदों को किनारे रखकर पार्टी की सफलता को प्राथमिकता देनी चाहिए। हमें आत्म-संयम रखना चाहिए और अपने नेताओं या पार्टी के खिलाफ मीडिया में बयान देने से बचना चाहिए। ताकि पार्टी के हित सुरक्षित रहें और कोई नुकसान न हो। उन्होंने कहा, हम न केवल तेलंगाना में बल्कि आने वाले सभी चुनावों में जीत हासिल करने और लोगों को भाजपा के कुशासन के दुःखों से राहत दिलाने की दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ रविवार को हैदराबाद छोड़ रहे हैं।

कांग्रेस ने संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पारित करने की मांग

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने मांग की है कि महिला आरक्षण विधेयक संसद के विशेष सत्र के दौरान पारित किया जाए। सीडब्ल्यूसी ने अपने प्रस्ताव में 18 से 22 सितंबर तक होने वाले विशेष सत्र में विधेयक को पारित कराने का जिक्र किया है। रमेश, जो पार्टी के संचार प्रभारी भी हैं, ने कहा, कांग्रेस कार्य समिति ने मांग की है कि महिला आरक्षण विधेयक संसद के विशेष सत्र के दौरान पारित हो चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे पर कुछ तथ्यों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि राजीव गांधी ने पहली बार मई 1989 में पंचायतों और नगर पालिकाओं में एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। यह लोकसभा में पारित हो गया लेकिन सितंबर 1989 में राज्यसभा में विफल हो गया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने अप्रैल 1993 में पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक फिर से पेश किया। दोनों विधेयक पारित हुए और कानून बन गए। उन्होंने कहा, अब पंचायतों और नगर पालिकाओं में 15 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। यह लगभग 40 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री के रूप में, डॉ. मनमोहन सिंह संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाए। विधेयक 9 मार्च, 2010 को राज्यसभा में पारित हुआ। लेकिन विधेयक लोकसभा में नहीं लिया गया। विधेयक पेश किया गया या राज्य सभा में पारित हो गया तब समाप्त नहीं होगा। महिला आरक्षण विधेयक अभी भी सक्रिय है। राज्यसभा सांसद ने कहा, कांग्रेस पार्टी नौ साल से मांग कर रही है कि महिला आरक्षण विधेयक पहले ही राज्यसभा में पारित हो चुका है और अब लोकसभा में भी पारित हो जाना चाहिए।

तुष्टिकरण की राजनीति के कारण विरोधी दल हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने से डर रहे हैं : शाह

– भारत के पहले गृह मंत्री पटेल ने निजाम से मुक्त कराया हैदराबाद

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तेलंगाना के सिकंदराबाद में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद भी, राजनीतिक दल वोट-बैंक की राजनीति के कारण हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने में अनिच्छुक हैं। उन्होंने हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह को संबोधित कर कहा, मैं इन पार्टियों को बताना चाहता हूं कि अगर वे देश के इतिहास को नजरअंदाज करते हैं, तब लोग उन्हें नजरअंदाज कर देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि देश, तेलंगाना और हैदराबाद अपने इतिहास और अपने स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत पर गर्व करके ही प्रगति कर सकते हैं। लगातार दूसरे वर्ष, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने पूर्ववर्ती हैदराबाद राज्य के भारतीय संघ में शामिल होने की वर्षगांठ मनाने के लिए समारोह का आयोजन किया।

केंद्रीय मंत्री शाह ने अफसोस जताया कि 75 वर्षों तक किसी भी सरकार ने लोगों, विशेषकर युवाओं को इस महान दिन का महत्व समझाने और शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को उजागर करने के लिए कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया। शाह ने तंज करते हुए कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति के कारण वे डरे हुए हैं। उन्होंने केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में समारोह आयोजित करने की नई परंपरा शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, इन समारोहों के तीन उद्देश्य हैं नई पीढ़ी को क्षेत्र को आजाद कराने के लिए किए गए बलिदानों की याद दिलाना, शहीदों को श्रद्धांजलि देना और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का देश बनाने के लिए खुद को फिर से समर्पित करना।

हैदराबाद राज्य को स्वतंत्र कर भारतीय संघ में विलय करने के लिए भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित कर शाह ने कहा कि यदि सरदार पटेल नहीं होते, तब हैदराबाद राज्य की मुक्ति जल्दी नहीं होती। उन्होंने कहा, अंग्रेजों से आजादी के बाद, क्रूर निजाम ने राज्य पर 399 दिनों तक शासन किया। ये 399 दिन तेलंगाना के लोगों के लिए यातनापूर्ण थे। सरदार पटेल ने 400वें दिन राज्य को आज़ादी दिलाने में मदद की। गृह मंत्री ने कहा कि सरदार पटेल और के.एम.मुंशी की जोड़ी ने हैदराबाद की मुक्ति की रूपरेखा तैयार करने और उसे क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सरदार पटेल के शब्दों को याद करते हुए कहा कि स्वतंत्र हैदराबाद पेट में कैंसर की तरह होगा और इसका एकमात्र इलाज ऑपरेशन है। उन्होंने पुलिस एक्शन नामक ऑपरेशन चलाया और बिना खून की एक बूंद बहाए, निजाम की रजाकार सेना को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर दिया।

शाह ने कहा कि हैदराबाद राज्य को आजाद कराने के आंदोलन में लाखों लोगों ने भाग लिया और कई लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया, इसमें तेलंगाना, कल्याण कर्नाटक और मराठवाड़ा शामिल थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों ने आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने पत्रकार शोयबुल्लाह खान और आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी रामजी गोंड पर विशेष डाक कवर जारी किए, जिन्होंने निजाम के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। इसके पहले, केंद्रीय मंत्री शाह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने अर्धसैनिक बलों की 12 टुकड़ियों की परेड की समीक्षा भी की। सीआरपीएफ, आरएएफ और सीआईएसएफ की टुकड़ियों ने रंगारंग मार्च पास्ट किया। केंद्रीय गृह सचिव अजय के. भल्ला, संस्कृति सचिव गोविंद मोहन, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, सीआरपीएफ के महानिदेशक सुजॉय लाल थाओसेन, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की महानिदेशक रश्मि शुक्ला भी उपस्थित थीं। शाह ने एसएसबी कर्मियों के लिए पारिवारिक आवास की आधारशिला भी रखी। हैदराबाद के पास इब्राहिमपटनम में 85 एकड़ जमीन पर फैमिली क्वार्टर बन रहा है।

सीएम हिमंत विश्व ने राहुल गांधी को दिया चुनावी हिंदू का खिताब

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राहुल गांधी को चुनावी हिंदू का खिताब दिया है। उहोंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनावी हिंदू करार देते हुए दावा किया कि अगर सनातन धर्म की जगह दूसरे धर्म के खिलाफ टिप्पणी की जाती तो विपक्षी गठबंधन 'इंडिया की प्रतिक्रिया अलग होती। हाल ही में, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के नेता उदयनिधि स्टालिन और ए राजा ने दावा किया था कि सनातन धर्म ने समाज में विभाजन पैदा किया है और इसे डेंगू, मलेरिया और कोरोना वायरस जैसी बीमारियों की तरह खत्म किया जाना चाहिए। नरसिंहपुर जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जन आशीर्वाद यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म पिछले 5000 वर्षों से कई करोड़ लोगों की तपस्या के कारण अस्तित्व में है। उन्होंने दावा किया कि सनातन धर्म सूर्य और चंद्रमा के अस्तित्व तक रहेगा। हिंदू सहिष्णु हैं। कांग्रेस और विपक्षी गुट इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बता रहे हैं। लेकिन अगर किसी ने मुसलमानों के बारे में टिप्पणी की होती तो उसे कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने रातों-रात निष्कासित कर दिया जाता।

असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि कोई मुसलमानों के खिलाफ बोले, लेकिन उन्हें सनातन धर्म और हिंदुओं के खिलाफ भी नहीं बोलना चाहिए। उन्होंने कहा, हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं और सर्वधर्म समभाव में विश्वास करते हैं। राहुल गांधी का मजाक उड़ाते हुए शर्मा ने उपस्थित लोगों से पूछा कि क्या उन्होंने 2018 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कांग्रेस नेता को मंदिरों में जाते देखा है। गांधी को चुनावी हिंदू करार देते हुए उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद गांधी ने मंदिरों का दौरा नहीं किया, क्योंकि उनके दिल में कोई भक्ति नहीं है। उन्होंने विपक्षी गुट 'इंडिया का भी मजाक उड़ाया और कहा कि कोई सिर्फ इसलिए महात्मा गांधी या सुभाष चंद्र बोस नहीं बन जाएगा क्योंकि वह उनका नाम रख ले।

कावेरी नदी विवाद मामले में तमिलनाडु के सासंद करेंगे गजेंद्र सिंह से मुलाकात

– नई दिल्ली में होगी बैठक, तारीख अभी तय नहीं

चेन्नई (एजेंसी) । तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री एस. दुरईमुरुगन के नेतृत्व में सांसदों का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली पहुंचेगा। यहां सभी केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात करेंगे। बता दें कि ये बैठक कावेरी नदी मुद्दे को लेकर होगी। हालांकि, बैठक की तारीख अभी तय नहीं हुई है। तमिलनाडु जल कार्य विभाग के सूत्रों ने एक समाचार एजेंसी को बताया कि यह बैठक जल्द ही आयोजित की जाएगी। बता दें कि कर्नाटक ने घोषणा की है कि वह अब तमिलनाडु को कावेरी का और पानी नहीं छोड़ेगा। इस घोषणा के बाद ही तमिलनाडु ने इस बैठक को बुलाने का एलान किया है। प्रतिनिधिमंडल इस बैठक के जरिए केंद्रीय मंत्री को कावेरी जल की आवश्यकता से अवगत कराएगी और उन्हें तमिलनाडु के डेल्टा जिलों में कुरुवई फसलों को बचाने के लिए जारी पानी की जानकारी भी देगी। कावेरी जल को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच विवाद पर सुप्रीम कोर्ट 21 सितंबर को सुनवाई करेगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एक बयान में कहा है कि कर्नाटक ने बेबुनियाद आरोप लगाया है कि तमिलनाडु की अधिक कावेरी जल की मांग अनुचित है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कर्नाटक ने यह भी आरोप लगाया है कि तमिलनाडु ने अपने अयाकट क्षेत्रों को बढ़ाया है जो एक निराधार आरोप है। स्टालिन ने कहा कि कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, कावेरी बेसिन में तटवर्ती राज्यों को संकट वर्ष में आनुपातिक आधार पर उपलब्ध पानी को साझा करना चाहिए। इस फैसले के अनुसार कर्नाटक को 14 सितंबर तक 103.5 टीएमसीएफटी जारी करना चाहिए था लेकिन राज्य ने केवल 38.4 टीएमसीएफटी जारी किया। इससे 65.1 टीएमसीएफटी की कमी हो गई है। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने सोमवार 18 सितंबर को एक तत्काल बैठक बुलाई है क्योंकि कर्नाटक ने 13 सितंबर तक 5000 क्यूसेक पानी छोड़ने के कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के आदेश की अवहेलना की थी।

मार्च के बाद लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का विनिर्माण शुरू हो जाएगा: राजनाथ सिंह

लखनऊ। (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल के विनिर्माण स्थल पर तेजी से काम हो रहा है और उम्मीद है कि अगले वर्ष फरवरी-मार्च के बाद यहां से मिसाइल का उत्पादन शुरू हो जाएगा। रक्षा मंत्री ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ दौरे के दूसरे दिन यहां गोमती नगर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल विनिर्माण स्थल पर कार्य तेजी से चल रहा है और फरवरी-मार्च के बाद लखनऊ की धरती से मिसाइल उत्पादन का कार्य भी आरंभ हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) प्रयोगशाला का कार्य भी जल्द पूरा होगा जिसका लाभ लखनऊ वासियों को मिलेगा। सिंह ने कहा कि लखनऊ में 11 अन्य परियोजनाएं शुरू की गई हैं। मंत्री ने कहा,'' हालांकि इन्हें पूरा होने में कुछ समय लगेगा, लेकिन मैं कह सकता हूं कि लोग अगले कुछ वर्षों में एक बिल्कुल अलग लखनऊ देखेंगे।'' इसके पहले जून के दूसरे पखवाड़े में सिंह ने यहां आत्मनिर्भर भारत पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा (यूपीडीआईसी) में नट-बोल्ट से लेकर ब्रह्मोस मिसाइल तक का विनिर्माण होगा।

उन्होंने कहा था, 'हमने उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा गलियारा के जरिए रक्षा विनिर्माण के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार किया है। यूपीडीआईसी के बारे में मुझे बताया गया है कि इस गलियारे के लिए करीब 1,700 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण की योजना है, जिसमें से 95 प्रतिशत से अधिक भूमि का पहले ही अधिग्रहण किया जा चुका है।÷ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महानगर इकाई की ओर से शनिवार को जारी एक बयान के अनुसार रक्षामंत्री ने लखनऊ दौरे के दूसरे दिन इंदिरा नगर सेक्टर 25 में खुर्रम नगर और पॉलिटेक्निक चौराहे पर बन रहे मुंशी पुलिया ओवर ब्रिज की कार्य प्रगति का निरीक्षण किया। इसके उपरांत गोमती नगर में बन रहे उच्च स्तरीय रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों का भी उन्होंने मुआयना किया।

सिंह ने कहा, मैं कह सकता हूं कि गोमती नगर रेलवे स्टेशन पर जिस तरह से कार्य चल रहा है, मैं संतुष्ट हूं, दिसंबर तक वह पूरा हो जाएगा और जो कार्य शेष रहेगा वह चलता रहेगा। रक्षामंत्री ने दोनों फ्लाईओवर का निर्माण दिसंबर-जनवरी तक पूरा करने के निर्देश दिये। चालू यातायात के सुगम संचालन हेतु 2.6 किमी लम्बाई एवं 269.81 करोड़ की लागत से खुर्रम नगर चौराहे पर फ्लाईओवर का तथा 1.86 किमी की लम्बाई एवं 170.60 करोड़ की लागत से मुंशी पुलिया फ्लाईओवर का निर्माण हो रहा है। निरीक्षण के समय मौजूद ठेकेदार एवं सलाहकार ने उन्हें बताया कि निर्माण कार्य जनवरी तक पूरा कर लिया जायेगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर भी फ्लाईओवर निर्माण की परियोजना को मंत्रालय ने अपनी वार्षिक कार्ययोजना में मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि परियोजना की वित्तीय एवं प्रशासनिक मंजूरी नवंबर तक मिल जायेगी जिसके बाद लगभग 18 महीनों में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। सनातन धर्म के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा, सनातन धर्म वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देता है। इसका न तो आदि है और न ही अंत है। दुनिया की कोई ताकत इसे खत्म नहीं कर सकती।'' हाल ही में, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि स्टालिन और ए राजा ने दावा किया था कि ''सनातन धर्म ने समाज में विभाजन पैदा किया है और इसे डेंगू, मलेरिया और कोरोना वायरस जैसी बीमारियों की तरह खत्म किया जाना चाहिए।'' भाजपा द्वारा जारी बयान के अनुसार सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए सिंह ने कहा, ''जाति, पंथ, मजहब की बात की जाती है, मुझे लगता है इंसानियत से बड़ा धर्म और इंसानियत से बड़ा दूसरा कोई मजहब नहीं हो सकता।''

अनुराग ठाकुर ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विरोध करने पर विपक्षी दलों के नेताओं की आलोचना की

शिमला (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा का विरोध करने को लेकर विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि गठबंधन के पास न तो कोई विचारधारा है और न ही कोई नेता है। उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन को ''अहंकारी और अवसरवादियों का जमावड़ा'' बताया और आरोप लगाया कि यह ''सनातन धर्म को नुकसान पहुंचाने पर तुला हुआ है।'' ठाकुर ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''क्या ऐसा है कि 'इंडिया' गठबंधन नहीं चाहता कि एक राष्ट्र, एक चुनाव से देश का समय और पैसा बचे या वह चुनाव का सामना करने से डरता है?''

सूचना और प्रसारण मंत्री ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर यहां भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में मरीजों के बीच फल बांटे। उन्होंने कहा कि चार बैठकों के बाद भी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस' (इंडिया) किसी नेता को आगे करने या संयोजक नियुक्त करने में सक्षम नहीं हो सका है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''अहंकारी और अवसरवादियों का यह गठबंधन, जिसकी न तो कोई विचारधारा है और न ही राष्ट्र के लिए कोई दृष्टिकोण, सनातन धर्म को नुकसान पहुंचाने पर तुला हुआ है।''

ठाकुर ने आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने केवल अपना चोला बदला है, लेकिन उनका आचरण और चरित्र वही है। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम से तमिलनाडु में गठबंधन के नेताओं पर नजर डालने को कहा, जिसके बारे में उन्होंने आरोप लगाया कि वे संविधान का अपमान करने और उसे नष्ट करने पर आमादा हैं। ठाकुर ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के हिमाचल प्रदेश के बारिश प्रभावित इलाकों के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यहां के नेताओं ने उन्हें केंद्र द्वारा राज्य को प्रदान की गई सहायता के बारे में सूचित नहीं किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा,

''दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस आपदा के समय भी राजनीति कर रही है।''

जिम जॉइन करने से पहले

- अगर आप फिटनेस के लिए जिम जॉइन कर रहे हैं, तो जिम में कार्डियोवैस्कुलर वर्कआउट के लिए ट्रेडमिल, साइकल, क्रॉस ट्रेनर जैसी मशीनें जरूर होनी चाहिएं।
- अगर आपको कार्डियक, डायबिटीज, हाई/लो ब्लड प्रैशर, एपिलैप्सी, आर्थराइटिस, स्लीप एप्निया, अस्थमा, स्किन एलर्जी इत्यादि की समस्या है, तो डॉक्टर से सलाह करके जिम जॉइन करें। अपनी बीमारी की जानकारी जिम इंस्ट्रक्टर और फिजियोथैरेपिस्ट को जरूर दें।

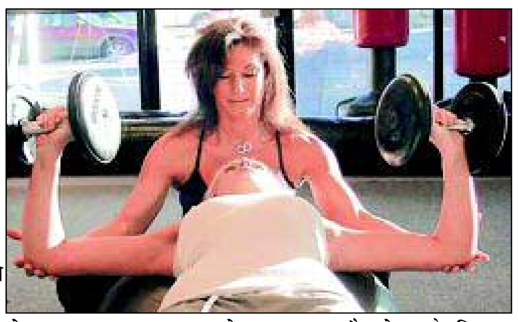

- जिम इंस्ट्रक्टर की सुपरविजन में ही वर्क आउट करें। उससे अपने एक्सरसाइज प्लान की पूरी जानकारी लें। जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे घुटने, टखने और लोअर बैकबोन कमजोर हो सकती है।
- यदि आप अनैमिक हैं, तो वर्कआउट के दौरान आपको चक्कर आ सकते हैं, सांस फूलने लगती है, एनर्जी लैवल कम हो जाता है, जिस कारण वर्कआउट पूरा करने से पहले ही आप थक जाएंगे। इसलिए एक्सरसाइज से करीब एक घंटा पहले हल्का-सा नाश्ता जरूर कर लें। एक्सरसाइज के दौरान थोड़ा-थोड़ा पानी या अपना एनर्जी ड्रिंक पीते रहें। भोजन में आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें। डॉक्टर की सलाह से आयरन सप्लीमैंट भी ले सकते हैं।
- वर्कआउट के दौरान इंस्ट्रक्टर से यह जानते रहें कि जो एक्सरसाइज वो करवा रहे हैं, उसका क्या फायदा है और उससे आपके शरीर के किस हिस्से को क्या लाभ होगा।
- अपने इंस्ट्रक्टर को अपनी डाइट के बारे में बताएं। यह भी वर्कआउट रिजीम सैट करने में मदद करता है। अगर आपको जिम जाकर वर्कआउट करना बोरिंग लगता है, तो इसके लिए आपको क्रिएटिव होना पड़ेगा। अपनी एक्सरसाइज की रूटीन में नई चीजें जोड़ें। अपनी एक्टिविटीज में वैरायटी रखें, ताकि उसमें आपकी रुचि बनी रहे। किक बॉक्सिंग, पावर योगा, एरोबिक्स और डांस क्लास भी आपके लिए अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं। अपने साथ वर्कआउट करने के लिए एक दोस्त को तैयार करें या जिम में ही नए दोस्त बना लें, ताकि आप एक्सरसाइज का वक्त भी इंजॉय कर सकें।

कैंसर का उपचार हुआ आसान

कैंसर जैसे असाध्य माने जाने वाले रोग का हर स्टेज पर इलाज संभव हो सके, इसके लिए दुनियाभर में अनुसंधान किए जा रहे हैं। इन अनुसंधानों में वैज्ञानिकों को काफी सफलता भी हाथ लगी है। वैज्ञानिक अनुसंधानों के कारण ही कई तरह के कैंसर का ट्रीटमेंट अब काफी आसान हो गया है। हाल ही में कैंसर के इलाज के लिए हुए एक अनुसंधान में वैज्ञानिकों के हाथ एक और बड़ी सफलता लगी है। इस स्टडी में अनुसंधानकर्ताओं ने कैंसर का इलाज करने के लिए एक ऐसे नियम का पता लगाया है, जो रेडियोथेरैपी की प्रभावशीलता को बढ़ा देता है।

कैंसर रिसर्च पत्रिका में छपी अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार कुछ खास दवाओं के इस्तेमाल से ट्यूमर की स्थिति में चूहों की रक्तवाहिकाओं की स्थिरता में सुधार हुआ। चूहों पर हुई इस स्टडी में बढ़िया नतीजे निकलकर सामने आए हैं। इस अनुसंधान में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के ग्रे इंस्टीट्यूट फॉर रेडिएशन ओंकोलॉजी एंड बायोलॉजी के विज्ञानिकों ने भाग लिया।

दरअसल, ट्यूमर में अधिक स्थिर र त आपूर्ति कैंसर के मरीजों को कीमोथेरैपी बेहतर रूप से उपलब्ध कराती है। ग्रे इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफैसर गिलीस मैक्केना ने कहा, 'कैंसर के उपचार के लिए नया तरीका खोजकर हम बेहद रोमांचित हैं। इसमें दवाएं कैंसर कोशिकाओं को रेडियोथैरेपी और कीमोथैरेपी के प्रति संवेदनशील बनाती हैं।'

मैक्केना ने कहा, 'आप अगर सोच रहे हैं कि ट्यूमर कोशिकाओं को ऑक्सीजन की आपूर्ति कर आप उन्हें बढ़ाने में मदद करेंगे, तो आप गलत हैं, क्योंकि कोशिकाओं को बेहतर रक्त आपूर्ति के साथ ऑक्सीजन पहुंचाकर हम रेडियोथैरैपी और कीमोथैरेपी को काम करने में अधिक सक्षम बनाते हैं, ताकि वे ट्यूमर को मार सकें।'

वैज्ञानिकों ने चार दवाओं के प्रभाव का परीक्षण किया, जो कैंसर थेरैपी के लिए चिकित्सीय इस्तेमाल में लाई जा रही हैं या फिर जिसका विकास किया जा रहा है।

हेल्थ प्लस

दर्द भगाने के बहाने मीठी मार

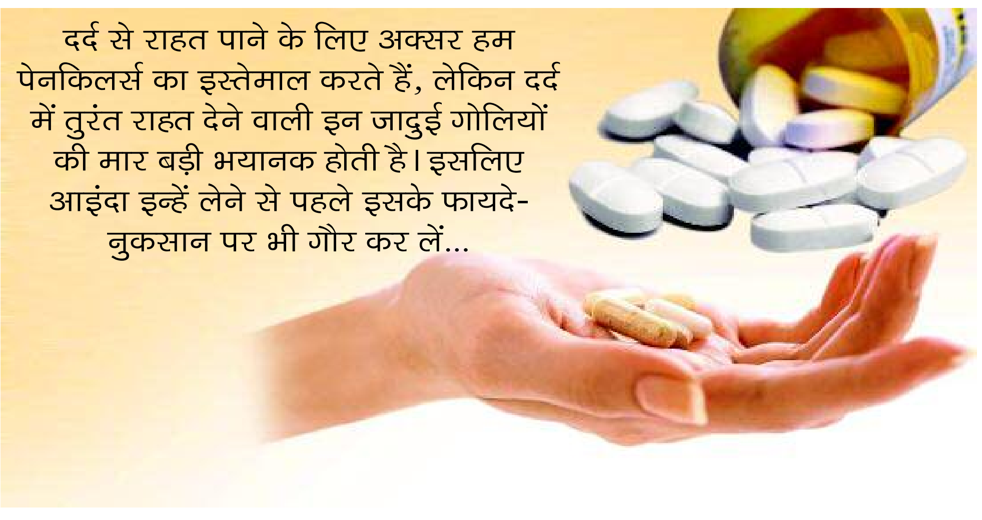

दर्द से राहत पाने के लिए अक्सर हम पेनकिलर्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन दर्द में तुरंत राहत देने वाली इन जादुई गोलियों की मार बड़ी भयानक होती है। इसलिए आइंदा इन्हें लेने से पहले इसके फायदे-नुकसान पर भी गौर कर लें...

आज बाजार में कई तरह की पेनकिलर्स उपलब्ध हैं। डॉक्टरों की मानें, तो इनमें बहुत सारी ऐसी पेनकिलर्स हैं, जिनका लगातार सेवन करने से दिमाग व शरीर इन पर निर्भर करने लगते हैं और हम इनके ग़ुलाम बन जाते हैं। कुछेक पेनकिलर्स नशीली नहीं होतीं, लेकिन हमारे लिए दोनों तरह की पेनकिलर्स खतरनाक हो सकती हैं। अगर इनका सेवन डॉक्टर की सलाह के बगैर किया जाए या डॉक्टरी सलाह से कहीं अधिक समय के लिए किया जाए, तो ये सेहत के लिए नुक़सानदायक हो सकती हैं।

क्या हैं पेनकिलर्स ?

पेनकिलर्स या एनाल्जेसिक वे दवाएं हैं, जिनका इस्तेमाल दर्द से राहत पाने के लिए किया जाता है। एनाल्जेसिक्स मुख्य रूप से दो तरह की होती हैं: नॉन नारकोटिक्स और नारकोटिक्स। इन्हें बनाने में मॉर्फिन जैसे नारकोटिक्स, नॉन स्टेरॉइडल एंटी इन्फ्लेमेट्री ड्रग्स (NSAIDs) और एसेटैमिनोफेन जैसे नॉन नारकोटिक्स का इस्तेमाल किया जाता है।

कैसे करती हैं काम ?

पेनकिलर्स दो तरह से काम करती हैं—

- दिमाग की ओर जाने वाले दर्द के सिग्नल को ब्लॉक कर देती हैं, जिससे रोगी को दर्द का अहसास नहीं हो पाता।
- दिमाग में सिग्नल के इंटरप्रिटेशन सिस्टम में छेड़छाड़ कर देती हैं और रोगी को लगता है कि उसे दर्द से राहत मिल गई।

क्यों होता है एडिक्शन ?

पेनकिलर्स के बार-बार सेवन करने से व्यक्ति इनका आदी हो जाता है। नतीजा यह होता है कि एक साधारण दर्द को ठीक करते-करते व्यक्ति नशे की खतरनाक बीमारी के चंगुल में फंस जाता है।

- सभी पेनकिलर्स दिमाग के एक खास सर्किट पर एक्ट करती हैं, जिससे आनंद का अनुभव होता है, मूड अच्छा हो जाता है और नींद भी आती है। व्यक्ति इस आनंद की अवस्था का अनुभव करने के लिए बार-बार इनका सेवन करता है और उसे इनकी लत लग जाती है। लगातार इन्हें लेते रहने से ये दवाएं अल्कोहल का काम करने लगती हैं।
- कुछ समय तक लगातार पेनकिलर्स लेने के पश्चात अगर इन्हें एकदम बंद कर दिया जाए, तो सेहत संबंधी कई परेशानियां हो सकती हैं। जैसे सारे शरीर में असहनीय दर्द, घबराहट, बेचैनी, गुस्सा, दस्त, लगातार छींकें आना, नींद न आना, आंखों और नाक से पानी निकलना इत्यादि।

ये हैं नुकसान

एक साल तक अगर पेनकिलर्स का रोजाना इस्तेमाल किया जाए, तो यह बेहद हानिकारक हो सकती हैं।

गैसट्राइटिस (पेट में सूजन)- इससे पेट खराब हो सकता है। पेट के अंदर जख्म बनना, उनसे खून का रिसाव, ज्यादा एसिड बनना, छाती में जलन जैसी परेशानियां हो जाती हैं। इनके चलते पेट में दर्द, खट्टे डकार, उल्टियां जैसे लक्षण पैदा हो जाते हैं।

जिगर की सूजन- जिगर (लिवर) के सैल्स का खत्म होना, इसके चलते भूख का कम होना, खाना हजम न कर पाना जैसी परेशानियां हो जाती हैं।

किडनी प्रॉब्लम्स- पेनकिलर्स किडनी को बहुत नुकसान पहुंचाती हैं। जिंदगी में एक हजार से ज्यादा पेनकिलर्स खाने से किडनी खराब हो सकती है। किडनी के सैल्स को नुकसान पहुंचता है, जिससे धीरे-धीरे किडनी का फंक्शन कमजोर होता जाता है। इसे एनलजैसिक नैफरोपैथी कहा जाता है।

ब्लड डिस्क्रेसिया- कुछ पेनकिलर्स से खून की रचना में बदलाव आने लगते हैं, जिसे ब्लड डिस्क्रेसिया कहा जाता है। यह जानलेवा भी साबित हो सकता है।

दमा पर असर- कुछ पेनकिलर्स दमा भी बढ़ा सकती हैं।

मानसिक रोग- मानसिक रोग, जैसे मन की उदासी, वहम व शक की बीमारी, याददाशत कमजोर होना। कई बार कन्फ्यूजन और भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है।

ऐसा कर लें

जहां तक संभव हो, बिना डॉक्टर की सलाह के पेनकिलर्स न लें और न ही इनकी ओवरडोज ही लें। पेनकिलर्स तब ही लें, जब बेहद जरूरी हो। थोड़ा-सा दर्द होने पर मैडिसिन लेने की आदत को छोड़ दें। पेनकिलर्स से बचने के लिए दर्द वाले हिस्से पर ठंडी या गर्म सिकाई की जा सकती है। पेनकिलर के स्प्रे या जेल से भी दर्द में राहत मिल जाती है। सिर दर्द में बाम लगाएं। दर्द अगर गैस की वजह से है, तो गैस का चूर्ण ले लें।

ध्यान रखें

- ब्लड प्रैशर, डायबिटीज, किडनी और दिल के मरीजों को डॉक्टर की सलाह के बगैर कोई भी पेनकिलर नहीं लेनी चाहिए।
- पेनकिलर्स खाली पेट बिलकुल न लें। नॉन नारकोटिक्स पेनकिलर्स खाली पेट लेने से किडनी, लिवर और पेट को नुकसान पहुंचा सकती हैं।
- पेनकिलर लेने के कारण अगर पेट दर्द होता है, तो सबसे पहले उस पेनकिलर का इस्तेमाल बंद कर दें और डॉक्टर से सलाह लें।
- पेनकिलर्स हमेशा पानी से ही लेनी चाहिए।

डॉक्टर की सलाह

- इन दवाओं के आदी हो चुके मरीज मनोचिकित्सक के पास जाएं।
- मरीज को दवाओं के कोर्स के जरिए नशामुक्त किया जाता है। इस कोर्स को बिना अस्पताल में दाखिल हुए भी किया जा सकता है।
- मरीज को दोबारा नशे का सेवन करने से हटाने के लिए कुछ दवाएं देनी पड़ती हैं।
- नशे के सेवन से हुए नुकसानों को ठीक करने के लिए 4-6 महीने तक दवा लेनी जरूरी होती है।

इसलिए अगली बार पेनकिलर खाने से पहले सोचें। साथ ही डॉक्टरी सलाह के बगैर भी पेनकिलर न खाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2949

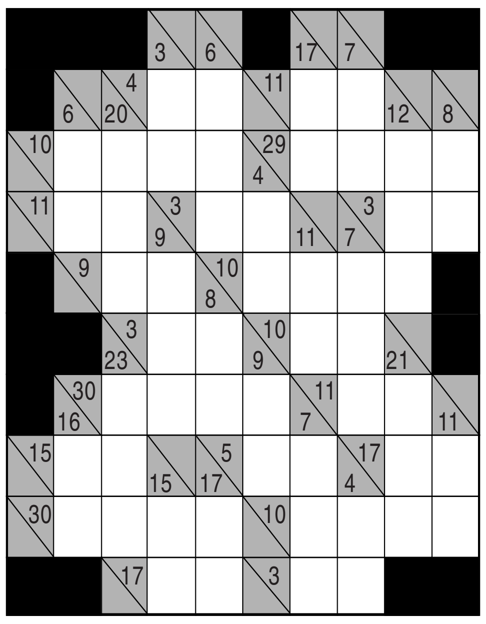

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः: 15/24 → 1 2 3 4 5; ↑ 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2948 का हल

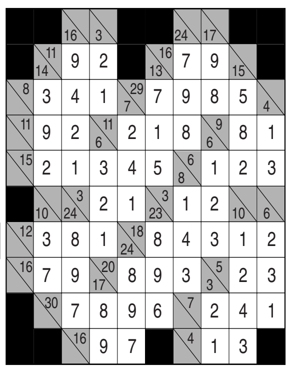

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा- 'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला- 'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे, इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा- 'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

रमेश ने महेश से पूछा- 'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश- 'पागल था वह ?'

रमेश- 'वह कैसे ?'

महेश- 'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2949

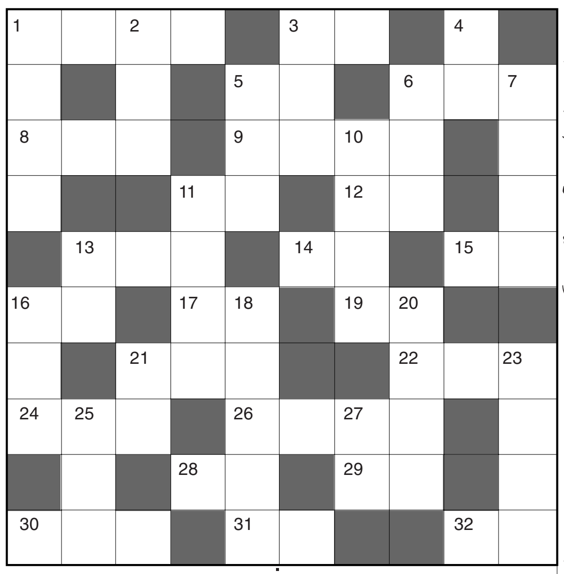

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2948

मु	सा	फि	र		ड	कै	त		गा
क्ति		दा	न	वी	र		क्ष	त्रि	य
	री			र		श	क		ब
गु	ना	ह		ता	ल			क	
म		वा	दा		ग	र्व		सू	र्या
ना	ना		मि	ल	न		सु	र	
म		सु	नी	ल		रा	जा		ए
	ने	हा		का	श		ता	क	त
क्रो		ग	द	र		दे			रा
ध	र्मा		म		रा	व	ण	रा	ज

सूडोकु -2949

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2948 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 2949

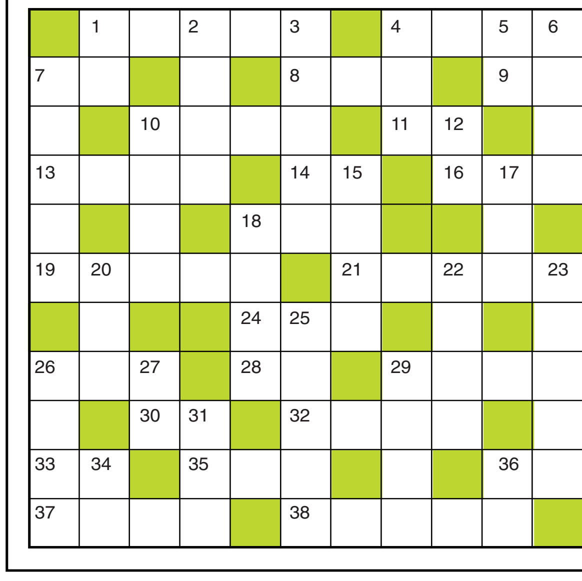

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -2948 का हल

अ	स	ह	नी	य			क	लि	का	
प	र		ला		सा	ग	र		बु	आ
ह			प	ह	रा		ण			खे
र	स	खा	न			म		क	प	ट
ण		लि		न	भ	च	र		रा	
	आ	स		सी		ल		ग	स्त	
	रा		प	ह	न	ना		रु		ड
शा	म	त		त			ता	र	ता	र
य			तै		जा	हि	र			ल
द	म		र	सी	ला		पी		ज	ग
	न	गी	ना			म	न	भ	र	ना

संस्कार उजाला

बाल कलाकार के रूप में अपनी यात्रा को याद किया नेहा ने

बालीवुड एक्ट्रेस नेहा पेंडसे ने एक बाल कलाकार के रूप में अपनी यात्रा को याद किया। हाल ही में बालीवुड एक्टर सनी देओल से मिली प्रशंसा पर खुशी जाहिर की। नेहा टीवी और फिल्म दोनों में अपने बहुमुखी प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं। नेहा मे आई कम इन मैडम के नए एपिसोड में मैडम संजना के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने एक बाल कलाकार के रूप में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में शुरुआत की। एंटरटेनमेंट वर्ल्ड में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए, एक्ट्रेस ने कहा- मैंने डीडी चैनल पर एक टीवी सीरियल के साथ बाल कलाकार के रूप में एक्टिंग करियर शुरू किया, और प्यार कोई खेल नहीं में एक्टर सनी देओल के साथ बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत की।

नेहा ने कहा, मेरे माता-पिता हमेशा आर्ट और एंटरटेनमेंट के प्रति गहरी समझ रखते हैं और यहीं से यह सब शुरू हुआ। उस युग के दौरान, बाल कलाकार अपेक्षाकृत सीमित थे, क्योंकि कई लोग एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में बच्चों को शामिल करना वर्जित मानते थे। उन्होंने कहा, मेरा डेस्टिनी पर भरोसा है। मुझे बाल कलाकार के रूप में कई शानदार प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने का मौका मिला। आगे बोलते हुए, नेहा ने विभिन्न कलाकारों के साथ काम करने के दौरान मिले समृद्ध अनुभवों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से सनी देओल द्वारा मिली प्रशंसा को साझा किया।

नेहा ने कहा, मैंने जिन प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम किया है उनमें से सनी देओल मेरे पसंदीदा में से एक हैं। वह उल्लेखनीय रूप से मृदुभाषी और सम्मानित व्यक्ति हैं। अपनी प्रभावशाली उपस्थिति के बावजूद, वह विनम्र और ज़मीन से जुड़े रहे, खासकर उन लोगों के प्रति जिनके साथ उन्होंने काम किया था। उन्होंने आगे कहा, अपनी कला के प्रति उनका समर्पण वास्तव में सराहनीय है और मैं उनकी इस बात को गहराई से संजोकर रखती हूं।

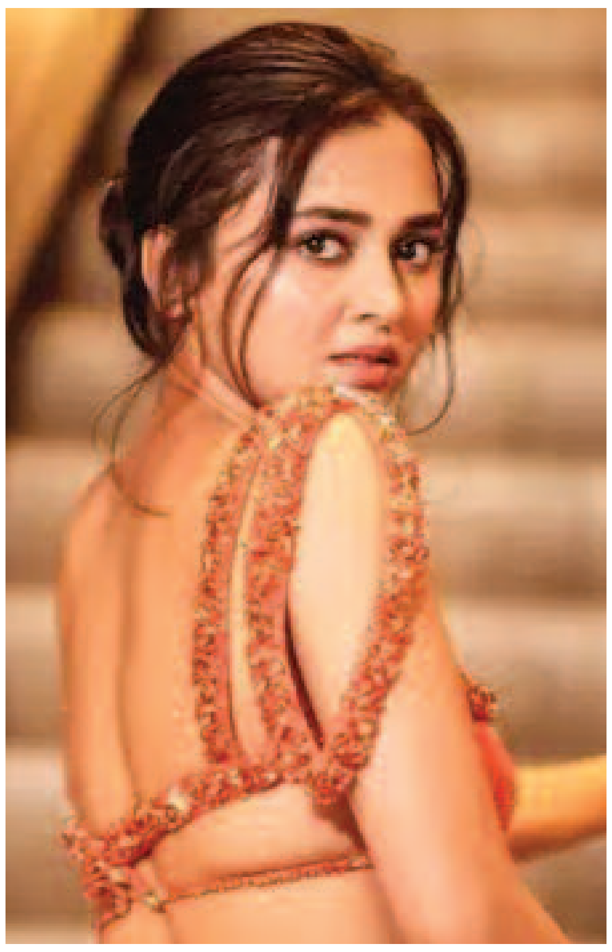

तेजस्वी प्रकाश की हॉट तस्वीरों से मची सनसनी

हाल ही एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश ने अपनी कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की, जिसके बाद सोशल मीडिया पर सनसनी फैल गई है। फैंस उनकी इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। तेजस्वी प्रकाश ने यह तस्वीरें गोवा वेकेशन से शेयर की हैं, जहां वह रात गए समंदर किनारे अपनी मदमस्त अदाएं बिखेर रही हैं। इस दौरान तेजस्वी का बेहद कातिलाना लुक देखने को मिल रहा है। वह मस्टर्ड कलर की रिवीलिंग मेक्सी ड्रेस नजर आ रही हैं। अपने लुक को उन्होंने न्यूड मेकअप और खुले बालों से कंप्लीट किया है। समंदर किनारे पानी में चिल करते हुए तेजा कैमरे के सामने अपनी कातिलाना अदाएं दिखा रही हैं। तेजस्वी की इन तस्वीरों पर फैंस का दिल आ गया है। वह कमेंट कर एक्ट्रेस की तारीफ में खूब कमेंट कर रहे हैं। काम की बात करें तो तेजस्वी प्रकाश को आखिरी बार नागिन 6 में देखा गया था। इस शो में तेजस्वी डबल रोल में नजर आई थीं।

सपनों की कुर्बानी दी, सेल्समैन की नौकरी की

एक्टर शैलेश लोढ़ा को शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा से नेम-फेम मिला था। इस शो में वो तारक मेहता के रोल में थे। शैलेश को इस शो से घर-घर पहचान मिली। आज वो इंडस्ट्री के पॉपुलर स्टार हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि शैलेश ने एक वक्त में सेल्समैन की नौकरी भी की है।

एक्टर शैलेश लोढ़ा को शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा से नेम-फेम मिला था। इस शो में वो तारक मेहता के रोल में थे। शैलेश को इस शो से घर-घर पहचान मिली। आज वो इंडस्ट्री के पॉपुलर स्टार हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि शैलेश ने एक वक्त में सेल्समैन की नौकरी भी की है।

एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'मैंने अपनी जिंदगी में कुछ भी डिसाइड नहीं किया है। जब सैलरी बंद हो गई तो नौकरी छोड़नी पड़ी। हां, मैंने वो नौकरी करने का फैसला किया था, उस वक्त ऐसी सिचुएशन थी। मेरी मां का सीरियस एक्सीडेंट हुआ था और वो हॉस्पिटल में एडमिट थीं। मेरी बहनें थी और मुझे उनकी शादी करानी थी। मैं पढ़ने के लिए एनएसडी और जेएनयू जाना चाहता था। लेकिन मुझे अपने सपनों को पीछे छोड़ एक मेडिसिन कंपनी में सेल्समैन की जॉब की। वो मेरा डिसिजन था' आगे उन्होंने कहा, 'उस वक्त मैं बाल कवि था और काफी फेमस था। मैं लोगों को ऑटोग्राफ देता था। मैं नेशनल लेवल डिबेट चैम्पियन था। और फिर मैंने एक दुकान से दूसरी दुकान पर जाकर दवाइयां बेची।' तारक मेहता का उल्टा चश्मा में वापसी करेंगे शैलेश लोढ़ा? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वो पीछे मुड़कर नहीं देखते, बता दें कि शैलेश ने एक दशक से ज्यादा समय तक तारक मेहता का उल्टा चश्मा में काम किया। कुछ साल पहले ही उन्होंने ये शो छोड़ा और फैंस को शॉक्ड कर दिया था। शो छोड़ने के बाद उन्होंने मेकर्स पर भी कई आरोप लगाए थे। शो के मेकर और उनके बीच में कुछ चीजों को लेकर अनबन हो गई थी।

शादी के दो साल बाद मां बनेगी दिशा परमार

अपनी शादी के दो साल बाद मां बनने जा रही टीवी एक्ट्रेस दिशा परमार की हाल ही में गोद भराई भी हुई थी। पति और पत्नी दोनों ही अपने होने वाले बेबी के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। इसी के चलते कपल ने एक बेहद क्यूट और इमोशनल वीडियो शेयर किया है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में राहुल वैद्य दिशा परमार के

बेबी बंप पर किस करते नजर आ रहें हैं। वीडियो में कैप्शन लिखा है 'अ किस फोम पापा'। वीडियो को एडिट कर दिशा के बंप में एक बेबी को भी दिकाया गया है जो अपने पापा को देख कर खुश है। कपल के फैन इस वीडियो पर खूब प्यार बरसा रहें हैं। फैंस तो ये भी अंदाजा लगा रहें हैं कि कपल के घर एक लक्ष्मी का जन्म होगा। जल्द ही एक्ट्रेस की डिलीवरी होने वाली है और ऐसे में घरवालों के साथ-साथ कपल के फैंस को भी बेबी के आने का बेसब्री से इंतजार है।

रोहित ब्लैक टक्सीडो में पिंक कारपेट की शोभा बढ़ाई

नवोदित एक्टर रोहित सराफ ने अपने फैशन स्टेटमेंट से काफी लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। मुंबई के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक शानदार ब्लैक टक्सीडो में पिंक कारपेट की शोभा बढ़ाई। अपने अभिनय कौशल और बॉय-नेक्स्ट-डोर चार्म के लिए जाने जाने वाले

रोहित की स्टाइल चॉइस फैशन और मनोरंजन की दुनिया में सुर्खियां बटोर रही हैं। रोहित का फैशन स्टेटमेंट परंपरागत और नवीनता का एक उत्कृष्ट मिश्रण था। उनकी जैकेट हरे रंग की सजावट से सजी थी। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए रोहित ने अपने फ़ैशन सेंस से फैंस को बहुत प्रभावित किया। उनके वर्कफ्रंट की बात करें तो रोहित अब मिसमैच्ड वेब सीरीज़ की बहुप्रतीक्षित तीसरी किस्त में अपने प्रिय किरदार ऋषि सिंह शेखावत को फिर से निभाएंगे।

जवान में प्रियामणि के साथ हुआ बहुत बड़ा धोखा!

शाहरुख खान की जवान में कई जाने-माने स्टार्स सपोर्टिंग रोल में हैं। इनमें साउथ की फेमस एक्ट्रेस प्रियामणि भी शामिल हैं। अब उन्होंने खुलासा किया है कि एटली ने उन्हें धोखा दिया है। उनके साथ एक चाल चली और वो उसमें फंस गई। इस वजह से उन्होंने फिल्म साइन कर ली। शाहरुख खान, नयनतारा और विजय सेतुपति की फिल्म जवान बॉस ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ रही है। 7 सितंबर 2023 को थिएटर्स में रिलीज हुई इस मूवी ने 8 दिनों में ही कुल 386.28 करोड़ का कलेशन कर लिया है। इस बीच मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी हुई, जहां नयनतारा को छोड़कर सारी स्टारकास्ट नजर आई। मूवी में कई अन्य स्टार्स भी हैं, जिनकी एक्टिंग की तारीफ हो रही है। इनमें साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि भी शामिल हैं। अब उन्होंने एक खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि एटली ने उन्हें बताया था कि शाहरुख की जवान में विजय भी नजर आएंगे। उन्होंने विजय के साथ सीन्स का आशवसान दिया था, लेकिन उन्हें धोखा दिया गया था। प्रियामणि ने शाहरुख खान की ऑल-गर्ल स्क्वाड की मेंबर लक्ष्मी की भूमिका निभाई। फिल्म की रिलीज से पहले स्टार कास्ट को लेकर कई तरह की अटकलें चल रही थीं। उनमें से ये अफवाह थी कि विजय फिल्म में एक कैमियो भूमिका निभाएंगे। दुर्भाग्य से फिल्म रिलीज होने के बाद यह अफवाह झूठी निकली।

एटली ने चली चाल, दिया धोखा!

रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि एटली ने उन्हें फिल्म में विजय के कैमियो के बारे में बताया था। इससे एसाइटेड होकर उन्होंने विजय के साथ कुछ सीन्स के लिए कहा और एटली सहमत हो गए। हालांकि, जवान की शूटिंग के दौरान एक्ट्रेस तब निराश हो गईं, जब विजय सेट पर दिखाई नहीं दिए। उन्होंने मजाक में कहा कि एटली ने उनके साथ एक छोटी सी चाल चली और उन्हें धोखा दिया। प्रियामणि ने हाल ही में ये भी बताया कि कैसे शाहरुख खान ने उन्हें अपने पीछे के बजाय अपने साथ डांस कराया। कनेट एफएम कनाडा के साथ इंटरव्यू में एट्रेस ने कहा, उन्होंने शोबी मास्टर और एटली सर से कहा कि मैं चाहता हूं कि ये लड़की मेरे बगल में खड़ी हो। मुझे इसकी परवाह नहीं है कि कोरियोग्राफी या है। वो चेन्नई एसप्रेस से मेरी डांस टीचर हैं। अगर मैं गलत भी हो जाऊं तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं केवल उन्हें ही देखने जा रहा हूं और हम ऐसा ही करने जा रहे हैं।

टाइगर-3 को नहीं है प्रमोशन की जरूरत

शाहरुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म जवान को रिलीज हुए 9 दिन हो गए हैं। फिल्म हर रोज तगड़ी कमाई कर रही है। इसी बीच सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'टाइगर 3' का भी चर्चा जोरो से है। सलमान की इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म इस साल दिवाली के खास मौके पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म का टीजर या ट्रेलर जारी नहीं किया है। मेकर्स फिल्म का प्रमोशन भी उस हिसाब से नहीं कर रहे हैं। ऐसे में अटकलें लगाई जा रही है कि कहीं इसका असर फिल्म के बॉस ऑफिस पर ना पड़े। अब इस मामले पर ट्रेड एसपर्ट अतुल मोहन ने अपन राय शेयर की है। हाल ही में बॉलीवुड लाइव को दिए एक इंटरव्यू में एक अतुल मोहन ने कहा, फिल्म को प्रमोशन की ज्यादा जरूरत नहीं है। फिल्म को रिलीज होने में 2 महीने बचे हैं और अभी से फिल्म के टीजर या ट्रेलर को रिलीज करने क कोई फायदा नहीं है। फिलहाल चारों तरह जवान ही जलवा है, तो ऐसे में टाइगर 3 के प्रमोशन का सवाल ही नहीं पैदा होता है।

'टाइगर 3' की कमाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा

अतुल ने आगे कहा, सलमान की फिल्म 'टाइगर 3' का प्रमोशन ना होने की वजह से इससे फिल्म की कमाई पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ट्रेड एनालिस्ट ने जवान का उदाहरण देते हुए कहा, फिल्म के मेकर्स ने जवान का कुछ खास प्रमोशन नहीं किया। ट्रेलर फिल्म की रिलीज से महज कुछ दिन पहले आया है। बावजूद इसके फिल्म बॉस ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसी तरह सलमान खान की टाइगर 3 को भी प्रमोशन की जरूरत नहीं है।

कैमियो में होंगे शाहरुख खान

सलमान खान की टाइगर 3 में शाहरुख खान कैमियो करते हुए नजर आएंगे। फिल्म में एक बार फिर कैटरीना कैफ और सलमान खान जोया और टाइगर के रुप में धूम मचाने के लिए तैयार हैं। इस फेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2011 में आई थी। उस दौरान एक था टाइगर ने बॉस ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। वहीं साल 2017 में इसका दूसरा पार्ट आया। इस फिल्म ने भी बॉस ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011